



महंगाई बढ़ी, अब कर्ज लेना और चुकाना भी महंगा

आरबीआई की चेतावनी-आगे कीमतें और भी बढ़ेंगी इससे फेस्टिव सीजन में खरीदारी कम होने का अंदेशा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई बढ़ गई है, यह और बढ़ने वाली है, यह तय है। साथ में बैंकों से कर्ज लेना भी महंगा होने वाला है। ये बातें रिजर्व बैंक, यानी आरबीआई की हैं। इसके चलते आरबीआई को फरवरी 2023, यानी करीब 4 साल बाद रेपो रेट बढ़ाना पड़ा है। रेपो रेट 5.25 से बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। अब ये क्यों किया, इसे समझने के लिए सबसे पहले रेपो रेट समझना जरूरी है। रेपो रेट वो ब्याज दर है जिस पर बैंक आरबीआई से कर्ज लेता है। फर्माता ये है कि रिजर्व बैंक महंगा कर्ज बैंकों को देगा तो बैंक लोगों को और महंगा कर्ज देंगे। इससे लोग कम कर्ज लेंगे और खर्च भी



कम करेंगे। खर्च होगा मांग कम होगी, मांग कम होने से महंगाई काबू में रहेगी। हालांकि, अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। आरबीआई ने 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.7 से बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है। आरबीआई की मॉनिटरिंग पॉलिसी कमेटि तीन दिन

फिलहाल ब्याज दरें घटने का रास्ता बंद

आरबीआई ने अपना रुख बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। यानी, फिलहाल ब्याज दरों में कटौती का रास्ता पूरी तरह से बंद हो चुका है। आने वाली बैठकों में रिजर्व बैंक या तो दरों को जैसा है वैसा ही रखेगा, या फिर जरूरत पड़ने पर इन्हें और बढ़ा सकता है। रेलिगेयर ब्रॉकिंग के अजीत मिश्रा का कहना है कि 0.25 फीसदी की यह बढ़ोतरी तो उम्मीद के मुताबिक ही थी, लेकिन असली बात नीति में हुआ बदलाव है। इससे साफ जाहिर होता है कि रिजर्व बैंक के लिए अब सबसे पहला काम महंगाई पर काबू पाना है। कोटक महिंद्रा बैंक की चीफ इकोनॉमिस्ट उपामना भारद्वाज का मानना है कि आने वाले समय में ब्याज दरों में 0.25 से 0.50 फीसदी की और बढ़ोतरी हो सकती है।

2026 का केमिस्ट्री नोबेल फ्रांस-जापान के वैज्ञानिकों को

अणुओं के मिरर इमेज की 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई, दवाएं बनाने में मदद मिली



स्टॉकहोम (एजेंसी)। 2026 का केमिस्ट्री नोबेल पुरस्कार फ्रांस के वैज्ञानिक हेनरी बी. कागन और जापान के केन्सो सोआई को दिया गया है। दोनों वैज्ञानिकों ने रसायन विज्ञान की करीब 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई है। हेनरी बी. कागन और केन्सो सोआई ने यह समझाने में बड़ी मदद की कि मिरर इमेज जैसे दिखने वाले दो अणुओं में से



सिर्फ एक को कैसे बनाया जा सकता है। यह खोज खास तौर पर दवाएं बनाने में काम आ रही है। नोबेल पुरस्कार के विजेताओं को दिसंबर में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मेडल, डिप्लोमा और पुरस्कार राशि दी जाएगी। 2026 में नोबेल पुरस्कार की राशि करीब 11.5 करोड़ रुपए है।

सोआई ने ऐसा अणु बनाया जो अपने जैसे अणु बनाता था

इसके बाद केन्सो सोआई ने कागन के काम को आगे बढ़ाया। उन्होंने 5-पाइरिमिडिल एल्केनॉल नाम के एक रासायनिक पदार्थ पर प्रयोग किया। उन्होंने ऐसी प्रक्रिया बनाई, जिसमें एक तरह का अणु बनने के बाद वह अपने जैसे दूसरे अणु बनने में मदद करता था। इसे ऐसे समझिए- शुरुआत में अगर किसी एक तरह के अणु थोड़े ज्यादा बन गए, तो वही अणु आगे और अपने जैसे अणु बनाने में मदद करने लगे। फिर नए बने अणु भी यही काम करने लगे। इस तरह एक तरह के अणुओं की संख्या लगातार बढ़ती गई। 1995 के प्रयोग में शुरुआत में एक तरह के अणु की मात्रा सिर्फ 2 फीसदी ज्यादा थी। लेकिन प्रक्रिया चलने के बाद यह बढ़त 87 फीसदी तक पहुंच गई। यानी शुरुआत का छोटा-सा फर्क बहुत बड़ा हो गया। इसके बाद 2003 में सोआई ने इस पर काम किया।

संक्षिप्त

समाचार

जेल से ही बीमार दादी को वीडियो कॉल करेगा अमृतपाल

अमृतसर की कोर्ट ने दी 10 मिनट बात करने की इजाजत



अमृतपाल सिंह असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद हैं। अमृतसर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बरिंदर सिंह ने अमृतपाल के वकीलों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अमृतपाल सिंह की ओर से पेश उनके वकीलों ने अदालत में याचिका दायर की थी और उनकी दादी की बीमारी को देखते हुए अदालत से वीडियो कॉल के जरिए उनसे बातचीत करने की अनुमति मांगी थी। अमृतपाल के वकीलों ने कोर्ट में एक अजी दाखिल करके उसकी बीमार दादी से बात करने की इजाजत मांगी थी। अजी में परिवार के हालात का जिक्र करते हुए कहा गया कि जेल में होने की वजह से अमृतपाल अपनी दादी से मिल नहीं पा रहा है। वकीलों ने कोर्ट से कहा था कि अमृतपाल को कम से कम वीडियो कॉल के जरिए उनसे बात करने की इजाजत दी जानी चाहिए। अमृतपाल सिंह की दादी बुजुर्ग हैं और हाल ही में गंभीर बीमारी के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

कैप्टन मच्छार के साहस पर फिदा संघ चीफ भागवत

18 दिन में दूसरी बार अहंकार पर बोले, कहा-धर्मं ड त्यागें

बालाघाट (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने एक बार फिर समाज को आईना दिखाते हुए अहंकार त्यागने और वंचितों के कल्याण पर जोर दिया है। मध्य प्रदेश के बालाघाट के आदिवासी अंचल में दिए गए उनके इस संदेश के गहरे मायने हैं। खास बात यह है कि पिछले 18 दिनों के भीतर संघ प्रमुख का अहंकार पर यह दूसरा बड़ा बयान है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक हलकों



में इसकी खासी चर्चा हो रही है। उन्होंने पलाईदुर्ब पलाइट के कैप्टन रिमंत मच्छार के साहस की सराहना भी की। संघ प्रमुख ने मंगलवार को बालाघाट के दौरे के दौरान समाज सेवा और जमीनी हकीकत से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बात की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समाज सेवा करने वाले लोगों को सबसे पहले अपने भीतर का अहंकार छोड़ना होगा। लंबे समय से गरीबी और अभावों का सामना कर रहे वंचित वर्ग के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के साधन उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर और शक्तिमान बनाया जाना चाहिए। इससे पहले 18 सितंबर को उज्जैन की युवा धर्म संसद में भी मोहन भागवत ने इसी विषय पर तीखी बात रखी थी।

आईआईटी बॉम्बे का निर्णय-पहले छात्र का पक्ष सुनेंगे

नकल करते पकड़े जाने पर अब सीधे कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्रों पर पढ़ाई का दबाव और आत्महत्या के मामलों को देखते हुए आईआईटी बॉम्बे कई बदलने की तैयारी में है। इसी के तहत संस्थान ने परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों पर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के लिए नई एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया है। बीतेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर को आत्महत्या के बाद तैयार किए गए इस ड्राफ्ट में छात्रों को आपत्ति दर्ज कराने और मार्गदर्शन लेने का मौका देने पर जोर दिया गया है। मसौदे पर इस सप्ताह होने वाली बैठक में फैसला



होगा। नई एसओपी में नकल करते पकड़े जाने पर कार्रवाई से पहले छात्र को आईआईटी से बात करने का मौका देने का प्रावधान हो सकता है। परीक्षा में अनुचित साधनों के मामले में भी समीक्षा की गई है।

क्या बदलाव संभव इससे क्या फायदा

तुरंत मेंटर सपोर्ट मिलेगा- अगर किसी छात्र को परीक्षा में गड़बड़ी या चीटिंग करते हुए पकड़ा जाता है, तो कार्रवाई से पहले उसे किसी मेंटर से बात करने का मौका दिया जाएगा। इन्विजिलेटर के लिए अलग से और स्पष्ट एसओपी होगा- इन्विजिलेटर को यह स्पष्ट निर्देश दिया जाएगा कि परीक्षा हॉल में संदिग्ध मामले के दौरान क्या किया जा सकता है और क्या नहीं। हॉल में घटना के वक़्त क्या दर्ज किया जाना जरूरी है।

‘मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं

पीएम मोदी 50 मिनट में 19 बार बोले-वी विल डू इट

कहा-भारत के विकसित होने तक न थकूंगा, न रुकूंगा

बतौर पीएम-सीएम 25 साल पूरे, बड़ा रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली/वडनगर (एजेंसी)। 'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे। पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूँ। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।' उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो।

‘25 साल में देश कहां पहुंचा, यह देखना जरूरी’

मोदी ने कहा, हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। 125 सालों का आंकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा।



सुप्रीम कोर्ट में तीन नए जजों ने ली पद की शपथ

सुनीता अग्रवाल बनी 13वीं महिला जस्टिस, 37 हुई न्यायाधीशों संख्या



नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को तीन नए जजों ने शपथ ली। इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी अदालत में जजों की कार्यरत संख्या 37 हो गई, बता दें कि एससी में स्वीकृत क्षमता 38 जजों की है। यानी अब सुप्रीम कोर्ट में सिर्फ एक पद खाली है। जस्टिस सुनीता अग्रवाल, जस्टिस देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह ने सीजेआई

पहली बार दोपहर में हुआ शपथ समारोह

इस बार शपथ समारोह भी खास रहा। सुप्रीम कोर्ट में आम तौर पर नए जजों को सुबह करीब 10.30 बजे शपथ दिलाई जाती है। मंगलवार को तीनों जजों का शपथ समारोह दोपहर 3.30 बजे रखा गया। उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक, 1950 में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के बाद यह पहली बार था जब नए जजों का शपथ समारोह दोपहर में हुआ।

मानसून सत्र स्थगित होने के बाद भी नहीं हुआ खत्म

संसद 54 दिन से बिना बैठक के, 37 साल का रिकॉर्ड टूटा, विशेष सत्र की अटकलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की बैठकें खत्म हुए करीब दो माह होने वाले हैं, लेकिन सत्र औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ। इसके बाद विशेष सत्र की अटकलें हैं। लोकसभा और राज्यसभा को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया था। मंगलवार तक सत्रावसान की अधिसूचना जारी नहीं हुई। इस तरह दोनों सदन 54 दिन से बिना सत्रावसान के हैं। दोनों सदनों के एक साथ बिना सत्रावसान रहने की सबसे लंबी अवधि है। इससे पहले 1989 में दोनों सदन 53 दिन ऐसी स्थिति में रहे थे। तब 18 अगस्त को दोनों सदन स्थगित हुए और सत्रावसान किए बिना 11 अक्टूबर को बैठक दोबारा शुरू हुई थी।

भारतीय नाविकों वाले जहाज पर 48 घंटे में तीसरा हमला

ब्लैक सी में 2 हमले, यूक्रेनी ड्रेन तेल टैंकर से टकराया

मार्को

(एजेंसी)। रूस के ब्लैक सी तट के पास एक तेल टैंकर पर समुद्री ड्रेन से हमला किया गया। हमले के बाद टैंकर में आग लग गई। टैंकर पर 23 लोगों का कू था। सभी भारतीय नागरिक थे और उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। रूस के परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, लाइबेरिया के झंडे वाले इस टैंकर पर हमले के बाद ब्लैक सी के पानी में कच्चा तेल जला। इससे रूस के रिसॉर्ट शहर सोची के कुछ हिस्सों में आसमान काले धुएं से ढक गया है। माना जा रहा है कि यह हमला यूक्रेन की तरफ से किया गया। बीते 48 घंटे में यह तीसरी बार है जब भारतीय नाविकों वाले जहाजों को निशाना बनाया गया है।



जहाज यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में था

लाइबेरिया के झंडे वाले इस जहाज का नाम एफएमएस रियो है। द कीव झिंपेडेंट के मुताबिक, यह यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में शामिल था। इसे रूस के कथित शैडो फ्लीट का हिस्सा बताया गया था। रूस का शैडो फ्लीट उस टैंकरों और जहाजों का नेटवर्क है, जिनका इस्तेमाल रूस पश्चिमी प्रतिबंधों से बचकर तेल समेत दूसरे सामान के निर्यात में करता है। यूक्रेन ने फरवरी में जहाज पर प्रतिबंध लगाए थे। उसका कहना था कि इस नेटवर्क के जहाज रूस को जरूरी ऊर्जा आया बनाए रखने में मदद करते हैं। इसी आयाय से रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को फंड करता है।

संपादकीय

वंचित मतदाताओं को मौका

एसआईआर के तहत बनाई गई मतदाता सूची में व्याप्त कमियाँ एवं देश भर में चल रहे आंदोलन के बाद ऐसे सभी मतदाता जिनके नाम सूची में रह गए हैं उनके नाम परीक्षण के बाद 20 अक्टूबर तक जोड़ने की महिम शुरू की जा रही है। स्पष्ट है किसी भी मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए और खास तरह से ऐसे मतदाता जो सभी दस्तावेज पूर्ण करते हुए पूर्व से ही मतदान करते आ रहे हो। यदि सूची में त्रुटियां हों, पात्र नागरिकों के नाम छूट जाएं या पंजीकरण की प्रक्रिया को लेकर व्यापक शिकायतें सामने आएँ, तो चुनावी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। ऐसे समय में चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं को नाम जोड़ने के लिए अतिरिक्त समय देना एक प्रशासनिक निर्णय भर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास को मजबूत करने का प्रयास भी है। हाल के वर्षों में चुनावी प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं, और इसी के तहत एसआईआर प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसके बावजूद मतदाता सूची से संबंधित शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। कहीं नाम गायब होने की शिकायत होती है तो कहीं नए मतदाताओं को सूची में शामिल करने में देरी की बात उठती है। ऐसी परिस्थितियों में यदि चुनाव आयोग लोगों को अपनी त्रुटियां सुधारने और नाम दर्ज कराने का अतिरिक्त अवसर देता है, तो इसे लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक कदम माना जाना चाहिए। हालांकि इस निर्णय के दूसरे पहलू पर भी विचार आवश्यक है। यदि बड़ी संख्या में लोगों को अतिरिक्त समय की आवश्यकता महसूस हुई है, तो यह संकेत है कि मौजूदा व्यवस्था में कहीं न कहीं सुधार की गुंजाइश बनी हुई है। केवल समय-सीमा बढ़ा देना पर्याप्त नहीं होगा। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नाम जोड़ने, संशोधन कराने और आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया सरल, सुलभ और पारदर्शी हो। ग्रामीण क्षेत्रों, दूरस्थ पर्वतीय इलाकों और तकनीकी संसाधनों से वंचित नागरिकों तक यह सुविधा समान रूप से पहुंचे, तभी इस निर्णय का वास्तविक लाभ मिलेगा। चुनाव आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता भारतीय लोकतंत्र की महत्वपूर्ण पूंजी होनी चाहिए।इसलिए आयोग के प्रत्येक निर्णय को राजनीतिक नजरिए से देखने के बजाय लोकतांत्रिक हितों की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि अतिरिक्त समय देने से एक भी पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित होने से बचता है, तो यह निर्णय अपने उद्देश्य में सफल माना जाएगा। आखिर लोकतंत्र का मूल सिद्धांत ही अधिकतम जनभागीदारी है। राजनीतिक दलों की भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल चुनाव के समय मतदाताओं तक पहुंचने के बजाय उन्हें मतदाता सूची के सत्यापन और पंजीकरण के लिए भी प्रेरित करना चाहिए। नागरिक समाज, मीडिया और सामाजिक संगठन भी जागरूकता अभियान चलाकर इस प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बना सकते हैं। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से भी सुनिश्चित होती है। चुनाव आयोग द्वारा नाम जोड़ने के लिए अतिरिक्त समय देना यह संदेश देता है कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत का महत्व है। लेकिन साथ ही यह भी आवश्यक है कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियां कम से कम उत्पन्न हों, जहां बड़ी संख्या में लोगों को अपने नाम दर्ज कराने के लिए अतिरिक्त अवसर की आवश्यकता पड़े। एक त्रुटिरहित मतदाता सूची ही स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की वास्तविक आधारशिला है। लोकतंत्र का विश्वास भी तभी मजबूत होगा, जब हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होगा और उसे सिर्फ इसलिए सूची से वंचित नहीं किया जाएगा, क्योंकि वह किसी खास धर्म या जाति का है।



दिलीप कुमार पाटक

मान लीजिए, एक सात-आठ साल का बच्चा अपनी कॉपी लेकर बैठा है। आप उसे बी लिखने को कहते हैं, वह डी लिख देता है। आप उसे छह लिखने को बोलते हैं, वह नौ बना देता है। आप दो बार डांटते हैं, तीसरी बार हाथ उठा देते हैं। आपको लगता है कि वह जानबूझकर कर रहा है, उसका मन सिर्फ फोन चलाने या खेलने में है। लेकिन हो सकता है उस बच्चे को आपकी बात समझ ही न आ रही हो? उसे कॉपी के पने पर लिखे शब्द सीधे दिखने के बजाय तैरते हुए या उल्टे दिखाई दे रहे हों? बस इसी उलझन का नाम डिस्लेक्सिया है।



योगेश कुमार गोयल

आसमान में गुंजता भारत का पराक्रम... भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 94वां स्थापना दिवस मना रही है। यह केवल शक्ति और तकनीक का प्रदर्शन नहीं बल्कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव की प्रतीक गाथा का उत्सव भी है। इस अवसर पर होने वाले भव्य एयर शो भारतीय वायुवीरों के साहस, कौशल और समर्पण का प्रत्यक्ष परिचय करते हैं। आसमान में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29 और तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स की गड़गड़ाहट और उनकी अद्भुत युद्धाभ्यास कला न केवल दर्शकों को रोमांचित करती है बल्कि यह संदेश भी देती है कि भारत का आकाश किसी भी आक्रामक इरादे के लिए अभेद्य है। सारांग टीम के हेलीकॉप्टरों की सटीक फॉर्मेशन उड़ान, ध्रुव और प्रचंड जैसे एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स की क्षमता तथा सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे विशालकाय ट्रांसपोर्ट विमानों की ताकत भारतीय वायुसेना की बहुआयामी क्षमता का परिचायक है। वर्ष 1932 में ब्रिटिश शासनकाल में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' के नाम से शुरू हुई यह यात्रा आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना के रूप में खड़ी है। आरंभ में मात्र चार एयरक्राफ्ट और छह अधिकारियों के साथ शुरू हुई वायुसेना का यह सफर आज डेढ़ लाख से भी अधिक जवानों, हजारों अत्याधुनिक विमानों, अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियों और वैश्विक स्तर पर सम्मानित तकनीकी क्षमताओं तक पहुंच चुका है। भारतीय वायुसेना ने अपनी स्थापना के साथ ही केवल सैन्य दृष्टिकोण से ही नहीं बल्कि एक रणनीतिक शक्ति के रूप में भी अपना महत्व साबित किया है। भारतीय वायुसेना ने अपने इतिहास में चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में असाधारण पराक्रम दिखाया है। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में वायुसेना

विश्व डिस्लेक्सिया दिवस- अक्षरों की उलझन में बच्चे : डिस्लेक्सिया की इनसाइड स्टोरी

इसे समझने के लिए कोई डॉक्टर बनने की जरूरत नहीं है। सीधे शब्दों में कहें तो हमारा और आपका दिमाग अक्षरों को देखकर तुरंत पहचान लेता है। लेकिन कुछ बच्चों का दिमाग इन अक्षरों को थोड़ा अलग तरीके से देखता है। यह कोई बीमारी नहीं है कि डॉक्टर के पास गए, सिरप पिलाया और बच्चा ठीक हो गया। यह दिमाग की अपनी एक बनावट है जो जन्म से ही ऐसी होती है। बच्चा न तो पागल है, न मंदबुद्धि है और न ही कामचोर। उसका दिमाग बस एक अलग सॉफ्टवेयर पर चल रहा है, जिसे हम जबरदस्ती अपने पुराने ढर्रे पर चलाने की कोशिश कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या हमारे अनुमान से कहीं ज्यादा बड़ी है। द डिस्लेक्सिया एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, भारत में करीब 10 से 15 फीसदी बच्चे डिस्लेक्सिया से प्रभावित हैं। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि हर स्कूल की क्लास में औसतन दो से तीन बच्चे इस उलझन से जूझ रहे हैं, लेकिन सही जानकारी न होने के कारण उन्हें सिर्फ कमजोर छात्र मान लिया जाता है। अगर आप माता-पिता या शिक्षक हैं, तो इसके लक्षणों को पहचानना बहुत जरूरी है। इसके मुख्य लक्षण कुछ इस तरह दिखते हैं। पहला यह कि बच्चा लिखते समय बी और डी या पी और क्यू में हमेशा कन्फ्यूज रहता

है। दूसरा, वह शब्दों को उल्टा पढ़ता है जैसे साँ को वाँज पढ़ लेना या शब्दों को आगे-पीछे कर देना। तीसरा, वह अपनी उम्र के बाकी बच्चों की तुलना में बहुत अटक-अटक कर और धीरे पढ़ता है। इसके अलावा ऐसे बच्चे बचपन में देर से बोलना शुरू करते हैं या मिलते-जुलते तुकबंदी वाले शब्दों को समझने में उन्हें परेशानी होती है। कई बार एक साथ दो-तीन काम कह दिए जाएं, तो बच्चा कन्फ्यूज हो जाता है कि पहले क्या करना है। अब चूँकि यह दिमाग की कुदरती बनावट है, इसलिए इससे बचाव का कोई मेडिकल तरीका या टीका नहीं आता। लेकिन हां, इसके बुरे असर से बच्चे को जरूर बचाया जा सकता है, जिसे एक्सपर्ट्स अली इंटरवेंशन यानी सही समय पर सંभालना कहते हैं। इसका सबसे बड़ा बचाव यह है कि बच्चे की दिक्कत को बचपन में ही पहचान लिया जाए। जब आप उसे डांटने के बजाय थेरेपी, ऑडियो-विजुअल टूल्स जैसे वीडियो या एनिमेशन और छूकर सीखने वाले अक्षरों यानी थ्री-डी खिलौनों से पढ़ाते हैं, तो उसका दिमाग शब्दों को डिकोड करना सीख जाता है। दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन, एप्पल कंपनी बनाने वाले स्टीव जॉब्स और एक्टर ऋतिक रोशन - इन सबमें एक बात कॉमन थी। इन सबको बचपन में

पढ़ने-लिखने में भारी दिक्कत आती थी। लेकिन जब इन्हें सही समय पर समझा गया, तो इन्होंने वो कर दिखाया जो आम लोग सोच भी नहीं सकते। इनका दिमाग आउट ऑफ द बॉक्स सोचता है क्योंकि ये शब्दों में नहीं, बल्कि तस्वीरों में सोचते हैं। दिक्कत बच्चे में नहीं, हमारे रवैये में है। हम चाहते हैं कि हर बच्चा पहली क्लास से ही टॉपर बन जाए। अगर कोई बच्चा दाएं-बाएं में कन्फ्यूज हो रहा है, जूते के फीते नहीं बांध पा रहा, या शब्दों को उल्टा लिख रहा है, तो उस पर चिल्लाने के बजाय उसके साथ बैठिए। उसे थोड़ा ज्यादा वक्त दीजिए। अक्षरों को रेत पर उंगली से बनाकर सिखाइए। उसे डांट से ज़्यादा बस बात के भरोंसे की जरूरत है कि कोई बात नहीं, तू अपनी रफ़्तार से सीख। हर बच्चा रस का घोड़ा नहीं होता कि चाबुक मारा और वह दौड़ पड़ा। कुछ बच्चे ऐसे भी होते हैं जिन्हें दौड़ने से ज्यादा उड़ना पसंद होता है। उन्हें बस अपनी उड़ान भरने के लिए थोड़ा सा खुला आसमान और अपनी का साथ चाहिए होता है। (लेखक स्तंभकार हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारतीय वायुसेना के 94 वर्ष : आकाश में भारत का अभिमान



की भूमिका निर्णायक रही। चीन के साथ 1962 के युद्ध के दौरान वायुसेना की भूमिका सीमित रही किंतु उसके बाद के दशकों में वायुसेना ने अपनी रणनीति और तकनीक को इतना मजबूत किया कि आज चीन की संख्यात्मक बढ़त भी उसके सामने टिक नहीं पाती। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के दो हिस्से हो गए और बांग्लादेश का निर्माण हुआ, उसमें भारतीय वायुसेना के हमलों ने पाकिस्तान की रीढ़ तोड़ दी थी। कारगिल युद्ध में वायुसेना के 'ऑपरेशन सफेद सागर' ने ऊंचाई पर बैठे दुश्मन के ठिकानों को नष्ट कर भारतीय सेना को निर्णायक बढ़त दिलाई। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत के संसाधनों का सटीक उपयोग, युद्धाभ्यास की गुणवत्ता और वायुवीरों की अद्वय जिजीविषा चीन और पाकिस्तान जैसे देशों पर भारी पड़ती है। आज वायुसेना के पास राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29, तेजस, जगुआर जैसे घातक फाइटर जेट्स हैं। सुखोई-30 एमकेआई जैसे विमान तीन हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम हैं और पौने चार घंटे तक हवा में रह सकते हैं। राफेल की सटीक मारक क्षमता और आधुनिक रडार सिस्टम ने भारत की वायु सुरक्षा को और मजबूत बनाया है। तेजस, जो स्वदेशी तकनीक से निर्मित है, भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसके अलावा चिन्कू और अपाक जैसे हेलीकॉप्टर, जो अमेरिकी तकनीक से जुड़े हैं, युद्ध के मैदान में तेजी से सैनिकों और भारी हथियारों को तैनात करने की क्षमता रखते हैं। सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे ट्रांसपोर्ट विमान न केवल युद्धकालीन जरूरतों बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और राहत कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय वायुसेना का दायरा केवल सीमा रक्षा तक

सीमित नहीं है। जब भी देश में प्राकृतिक आपदाएं आईं, चाहे वह भूकंप हो, बाढ़ हो या चक्रवात, वायुसेना ने राहत और बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई। नेपाल भूकंप, उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी और विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का कार्य भारतीय वायुसेना ने साहस और समर्पण के साथ किया। यही कारण है कि वायुसेना को केवल युद्ध शक्ति के रूप में नहीं, मानवीय आपदा प्रबंधन की रीढ़ के रूप में भी देखा जाता है। आज भारतीय वायुसेना की ताकत का सबसे बड़ा कारण उसकी तकनीकी श्रेष्ठता और निरंतर आधुनिकीकरण है। मिसाइल प्रणालियों में ब्रह्मोस जैसी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल शामिल है, जिसकी गति 952 मीटर प्रति सैकेंड तक है, जिसे दुश्मन के रडार पकड़ नहीं सकते। यही कारण है कि पड़ोसी देशों के हॉसले भारतीय वायुसेना के सामने परत हो जाते हैं। ड्रोन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियार प्रणाली भी वायुसेना में धीरे-धीरे शामिल की जा रही है, जिससे उसकी मारक क्षमता और निगरानी क्षमताएं और अधिक प्रभावी हो रही हैं। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। चीन के पास लड़ाकू विमानों और रॉकेट प्रोजेक्ट्रों की संख्या भारत से कहीं अधिक है। लेकिन संख्यात्मक ताकत हमेशा निर्णायक नहीं होती। भारत ने तकनीकी सटीकता, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल से यह साबित किया है कि गुणवत्ता संख्या से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में यह सिद्ध हो चुका है कि केवल संख्या नहीं बल्कि रणनीति और मनोबल ही विजय सुनिश्चित करते हैं। इतिहास की बात करें तो भारतीय वायुसेना की नौव ब्रिटिश शासनकाल में रखी गई थी। 8 अक्तूबर 1932

को 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना हुई थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में इसकी भूमिका अहम रही। उस समय यह सेना ब्रिटिश आर्मी के अधीन थी। स्वतंत्रता के बाद 1950 में इसे 'इंडियन एयरफोर्स' नाम मिला और इसकी पहचान स्वतंत्र सैन्य शाखा के रूप में बनी। सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट पहले चीफ ऑफ एयर स्टाफ बने और बाद में एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी पहले भारतीय प्रमुख बने। उस दौर में मात्र कुछ विमान और सीमित संसाधन थे लेकिन आज वायुसेना के पास आधुनिकतम हथियार, विमानों का विशाल बेड़ा और मजबूत संरचना है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं बल्कि दृष्टिकोण का है। भारतीय वायुसेना का एक बड़ा उद्देश्य युवा पीढ़ी को प्रेरित करना भी है। एयर शो और शक्ति प्रदर्शन केवल दुश्मनों के लिए संदेश नहीं होते बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने का उत्साह भी देते हैं। वायुसेना का जीवन अनुशासन, साहस और देशभक्ति का संगम है और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है कि वे केवल कैरियर के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा के लिए भी इस क्षेत्र में कदम बढ़ाएं। आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है, तब उसकी सुरक्षा संरचना का मजबूत होना अनिवार्य है। भूमि, जल और आकाश तीनों पर समान अधिकार के लिए वायुसेना की भूमिका सबसे अधिक संवेदनशील और निर्णायक है क्योंकि युद्ध अब केवल धरती पर नहीं बल्कि आकाश में जीते जाते हैं। आधुनिक युग में युद्ध का स्वरूप बदल चुका है। ड्रोन युद्ध, साइबर हमले और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियारों का महत्व बढ़ गया है। भारतीय वायुसेना इन नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रही है। भारत की वायु शक्ति केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। यह दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करती है। विश्व राजनीति में आज जो नए समीकरण बन रहे हैं, उनमें भारत की वायुसेना की शक्ति मित्र देशों के लिए भारोसे का प्रतीक और विरोधियों के लिए भय का कारण है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। भारतीय वायुसेना दिवस हमें केवल गौरव का ही याद नहीं दिलाता बल्कि वायुसेना की जिम्मेदारियों की ओर भी संकेत करता है। वायुसेना को लगातार अपने बेड़े को आधुनिक करना होगा, अधिक स्वदेशी तकनीक अपनानी होगी और अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं को मजबूत करना होगा। यही आने वाले दशकों में हमारी सुरक्षा और रणनीतिक श्रेष्ठता की गारंटी होगी।

भारत में ब्याज दरों में बढ़ौतरी का चक्र प्रारम्भ



प्रहलाद सबनानी

अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 7 अक्टोबर 2026 को घोषित अपनी मौद्रिक नीति (मोनेटरी पॉलिसी) के माध्यम से रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करते हुए इसे 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है। भारत में, फरवरी 2023 के पश्चात, प्रथम बार रेपो दर में वृद्धि की घोषणा की गई है। अब संभवतः समस्त बैंक अपने ऋणों पर ब्याज दरों में बढ़ौतरी की घोषणा करेंगे। दरअसल, भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि देखी जा रही है और मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा आदि देश पहले से ही ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा कर चुके हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर में वृद्धि करने के अतिरिक्त और कोई उपाय था भी नहीं। रेपो दर में वृद्धि वित्तीय बाजार में लगाए जा रहे अनुमान के आधार पर ही रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि निकट भविष्य में रेपो दर में कमी की सम्भावना अब कम ही है बल्कि वित्तीय बाजार का अनुमान है कि दिसम्बर माह में होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी की बैठक में भी सम्भवतः रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की पुनः वृद्धि की घोषणा की जाएगी। दरअसल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमसा युद्ध, ईरान-अमेरिका युद्ध तो लम्बे समय से चल ही रहा था अब सऊदी अरब-हूथी युद्ध भी छिड़ गया है एवं इसमें पाकिस्तान एवं टर्की भी शामिल हो गए हैं। इस सबका विपरीत प्रभाव वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति पर पड़ा है एवं कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं जिससे विश्व के कई देशों में मुद्रा स्फीति की स्थिति लगातार गम्भीर होती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के अनुमान को बढ़ाया है। पूर्व में, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के 5 प्रतिशत तक रहने का अनुमान लगाया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया गया है। मुद्रा स्फीति, एक गम्भीर समस्या के रूप में उभर कर सामने आ रही है, इसे नियंत्रित करना अति आवश्यक है क्योंकि इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब नागरिकों पर अति गम्भीर रूप से पड़ता है। मुद्रा



स्फीति के लगातार बढ़ने से नागरिकों की क्रय शक्ति कमजोर हो जाती है। पूरे विश्व में लगभग समस्त देशों द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है ताकि नागरिक अपने खर्चों को बढ़ाने के लिए निरुत्साहित हों एवं इस धनराशि को वे बैंकों में जमा करें एवं साथ ही नागरिक बैंकों से ऋणराशि लेने हेतु भी निरुत्साहित हों क्योंकि ब्याज दर के बढ़ाने से ऋणराशि पर अब अधिक ब्याज देना होगा। इससे बाजार में उत्पादों की मांग में कमी आती है एवं उत्पादों की कीमतें कम होने लगती हैं और अंततः मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित होने लगता है। परंतु, ब्याज दरों में एक सीमा से अधिक वृद्धि करने से आर्थिक विकास दर विपरीत रूप से प्रभावित होने लगती है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में तो मुद्रा स्फीति का उल्लेख ही नहीं मिलता है क्योंकि उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति बाजार में बचाए रखी जाती थी, बल्कि शास्त्रों में उत्पादों के दाम कम होते जाने का उल्लेख जरूर मिलता है। वर्तमान स्थिति बिलकुल भिन्न है, बाजार में उत्पादों की मांग बढ़ जाती है परंतु आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाती है, इससे इन उत्पादों की कीमतों में वृद्धि दृष्टिगोचर होने लगती है। प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य वृद्धि को बाजार में वस्तुओं/उत्पादों की आपूर्ति को बढ़ाकर नियंत्रित

किया जाना चाहिए न कि इन उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास कर इन वस्तुओं/उत्पादों की कीमतों पर नियंत्रण स्थापित किया जाय। पूँजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत ब्याज दर में की गई वृद्धि के कारण बाजार पर होने वाले नकारात्मक प्रभाव को आंकने का प्रयास ही नहीं किया जाता है। यदि उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास किए जाएँ तो इन उत्पादों का निर्माण कम होगा, इससे विनिर्माण इकाइयों एवं इन इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन कम होने के चलते विनिर्माण इकाइयों द्वारा बहुत सम्भव है कि श्रमिकों की छटनी की जाने लगे। इससे देश में बेरोजगारी फैल सकती है। परंतु, भारत में इस तरह की समस्या वर्तमान परिस्थितियों में बीच दिखाई नहीं देती है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी यह सम्भावना व्यक्त की गई है कि रेपो दर में की गई वृद्धि का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना लगभग शून्य है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को संशोधित कर इसे पूर्व के अनुमान 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। अन्यथा, सामान्यतः ब्याज दरों में वृद्धि का आर्थिक विकास दर पर विपरीत प्रभाव दिखाई देता है। भारत में आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। हाल ही के समय में विशेष रूप से

विनिर्माण के क्षेत्र एवं सेवा के क्षेत्र में आकर्षक वृद्धि दर दर्ज हुई है। विभिन्न उत्पादों के निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। निजी क्षेत्र में निवेश भी अब बढ़ने लगा है जबकि सरकारी क्षेत्र में निवेश तो पहिले से ही मजबूत बना हुआ है। बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋणराशि में अतुलनीय वृद्धि दिखाई दे रही है एवं वस्तु एवं सेवा कर तथा आय कर एवं कारपोरेट कर के संग्रहण में मजबूत वृद्धि दिखाई दे रही है। भारत उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था है अतः स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों का बाजार भारत में ही उपलब्ध रहता है, केन्द्र सरकार की नीतियों के चलते इन उत्पादों के अन्य देशों से आयात को निरुत्साहित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं, अन्यथा यदि इन उत्पादों का आयात आसानी होने दिया जाय तो सम्भव है कि इन उत्पादों के साथ मुद्रा स्फीति भी आयातित होने लगे, जैसा हमेंगे कच्चे तेल के आयात से हो रहा है। भारत में बढ़ रही मुद्रा स्फीति के लिए कुछ हद तक अन्य देशों से आयातित उत्पादों (स्वर्ण, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, कच्चा तेल आदि) की बढ़ी हुई कीमतें भी जिम्मेदार हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि के निर्णय के पीछे एक और महत्वपूर्ण कारण जिम्मेदार है। दरअसल, अमेरिकी की केंद्रीय बैंक यूएस फेड रिजर्व ने यू एस फेड दर में वृद्धि की घोषणा की है। इससे, अमेरिकी में बांड यील्ड में अतुलनीय वृद्धि ध्यान में आई है। 30 वर्षीय बांड यील्ड बढ़कर 5.60 प्रतिशत के स्तर को पार कर गई है, जो वर्ष 2002 के बाद से सबसे अधिक है। इससे विदेशी संस्थागत निवेशक, तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से अपने निवेश को निकालकर अमेरिकी बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। इसके चलते भारत सहित कई देशों की मुद्राओं की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से गिर रही है। अतः अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं। (प्रहलाद सबनानी- सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

सुखरो देवी मंदिर के पुजारियों की बहाली को लेकर प्रदर्शन

एक सप्ताह में प्रशासक नियुक्त करने की मांग, आंदोलन की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सिद्धपीठ सुखरो देवी मंदिर में पूर्व से सेवा दे रहे पुजारियों को हटाए जाने का मामला तुल पकड़ता जा रहा है। बुधवार को क्षेत्र के पुरोहितों और मातृशक्ति ने तहसील परिसर पहुंचकर विशेष जताया। प्रदर्शनकारियों ने मंदिर की व्यवस्थाओं के संचालन के लिए प्रशासन से प्रशासक नियुक्त करने और हटाए गए तीनों पुजारियों को पुनः सेवा में लेने की मांग की। मायाराम पुरोहित, डा. चंद्रमोहन बड़धवाल और सुनील बहुखंडी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाएं और अन्य लोग हिंदू पंचायती धर्मशाला में एकत्र हुए। यहां से सभी जुलूस के रूप में तहसील परिसर पहुंचे। तहसील परिसर में हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि मंदिर में वर्तमान में काबिज समिति की ओर से लंबे समय से सेवा दे रहे पुजारियों को हटया गया है। इससे क्षेत्र के धर्मप्रेमियों के साथ ही



पुजारियों की बहाली की मांग को लेकर कोटद्वार तहसील परिसर में प्रदर्शन करते लोग

मंदिर समिति के संस्थापक और अन्य सदस्यों में गैर है। वक्ताओं ने कहा कि सिद्धपीठ की धार्मिक व्यवस्था को लेकर प्रशासन की गंभीरता से कदम उठाने चाहिए। उन्होंने मंदिर में तत्काल प्रशासक नियुक्त करने तथा हटाए गए तीनों पुजारियों को पूर्व की तरह सेवा में बहाल करने की मांग रखी। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को

चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन को और तेज करने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान पं. सुधीर दुदुड़ी, पं. सुनील लखंडा, पं. योगेश रतुड़ी, पं. रमकेश चमोली, मुनालाल मिश्रा और महावीर सिंह रावत सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र की मातृशक्ति व अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार भूकंप के दो झटकों से सहमे कोटद्वारवासी, घरों से बाहर निकले लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बुधवार रात कोटद्वार और आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के दो झटके महसूस होने से लोगों में दहशत फैल गई। भूकंप के झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन परिवार के साथ घरों से बाहर निकल आए। काफी देर तक लोग खुले स्थानों पर खड़े रहे। स्थिति सामान्य होने के बाद ही लोग वापस घरों में गए। बताया गया कि रात करीब साढ़े दस बजे एक के बाद एक भूकंप के दो झटके महसूस किए गए। पहला झटका अपेक्षाकृत हल्का होने के कारण अधिकांश लोगों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। हालांकि कुछ ही देर बाद दूसरा झटका महसूस होते ही लोगों में अफरा-तफरी मच गई और लोग परिवार सहित घरों से बाहर निकल आए। मानपुर निवासी गोली बिट ने बताया कि दूसरा झटका काफी तेज महसूस हुआ। इस दौरान घर में रखा सामान भी हिलने लगा। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद उन्होंने परिवार के साथ घर से बाहर निकलना ही सुरक्षित समझा। काफी देर तक लोग आसपास एक-दूसरे से भूकंप को लेकर चर्चा करते रहे। भूकंप के झटकों के बाद क्षेत्र में किसी बड़े नुकसान की सूचना सामने नहीं आई, लेकिन रात के समय अचानक आए झटकों से लोगों में काफी देर तक भय का माहौल बना रहा।

दुबई में कार्यरत युवराज 11 दिन से लापता, स्वजनों ने लगाई तलाश की गुहार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुबई के अबुधाबी स्थित एक होटल में कार्यरत उदयरामपुर निवासी युवराज सिंह के पिछले 11 दिनों से लापता होने का मामला सामने आया है। युवक से संपर्क नहीं होने पर चिंतित स्वजनों ने उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ताओं के साथ उपजिलाधिकारी संदीप कुमार से मुलाकात कर उसकी तलाश में मदद की गुहार लगाई। अक्रांद के केन्द्रीय प्रचार सचिव उमपेद सिंह भंडारी के नेतृत्व में कार्यकर्ता और युवराज के स्वजन तहसील पहुंचे। उन्होंने उपजिलाधिकारी को युवराज से संबंधित पूरी जानकारी उपलब्ध कराई। स्वजनों ने बताया कि युवराज सिंह पुत्र गोविंद सिंह अबुधाबी के एक होटल में कार्यरत था। पिछले 11 दिनों से उससे किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पा रहा है। लंबे समय से संपर्क नहीं होने के कारण स्वजन किसी अनहोनी की आशंका को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने उपजिलाधिकारी से मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित मंत्रालय और अन्य माध्यमों से संपर्क कर युवराज की तलाश करने का अनुरोध किया। उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते समय महेंद्र सिंह रावत, रवींद्र सौंद, कृपाल सिंह सहित युवराज के स्वजन मौजूद रहे।

डेढ़ साल से भुगतान का इंतजार, ठगी पीड़ितों में आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विभिन्न कंपनियों में निवेश के नाम पर ठगी का शिकार हुए लोगों के भुगतान आवेदनों पर तहसील स्तर से कार्रवाई नहीं होने पर ठगी पीड़ितों जमाकर्ता परिवार संगठन ने नाराजगी जताई है। संगठन का कहना है कि पीड़ितों की ओर से आवेदन जमा किए जाने के डेढ़ वर्ष से अधिक समय बाद भी भुगतान की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई है। प्रदेश अध्यक्ष मुकेश चंद्र बड़धवाल के नेतृत्व में संगठन से जुड़े पीड़ितों ने बुधवार को उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि तहसील प्रशासन की ओर से 24 अक्टूबर 2024 से ठगी पीड़ितों से भुगतान के लिए आवेदन मांगे गए थे। निर्धारित अवधि में 29 मार्च 2025 तक 357 लोगों ने अपने आवेदन तहसील में जमा

वन्यजीव संरक्षण को लेकर ग्रामीणों को किया जागरूक

मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने में सहयोग की अपील

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वन्यजीव सप्ताह के तहत लैंसडौन वन प्रभाग की कोटद्वार रेंज के गूलरखाला अनुभाग में मालन अनुभाग चौकी के समीप गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें ग्रामीणों को वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए संरक्षण का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व रेंज अधिकारी आरपी पंत ने वन्यजीव सप्ताह मनाए जाने के उद्देश्य और वन्यजीव संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के बिना धरती पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने ग्रामीणों से वन्यजीवों की सुरक्षा में सक्रिय सहभागिता निभाने और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने के लिए जागरूक रहने की अपील की। इस दौरान ग्रामीणों ने वन्यजीवों की सुरक्षा और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए वन विभाग को हर्षसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। गोष्ठी में वन्यजीवों के प्राकृतिक



लैंसडौन वन प्रभाग की कोटद्वार रेंज के गूलरखाला अनुभाग में आयोजित गोष्ठी में विचार रखते वक्ता

आवास की सुरक्षा, ग्रामीण क्षेत्रों में वन्यजीवों की मौजूदगी के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और संघर्ष की घटनाओं को रोकने के उपायों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जूनियर हाईस्कूल कणवघाटी के छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया। पूर्व उप प्रभागीय वनाधिकारी दिनेश चंद्र धिलिडयाल, पूर्व प्रधान

राप्रावि मेरूड़ा में हुआ गढ़भोज कार्यक्रम का आयोजन



जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : विकासखण्ड जयहरीखाल के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेरूड़ा में गढ़भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 1

पारंपरिक व्यंजन तैयार किए गए। विद्यालय के प्राधानाध्यापक राजीव थपलियाल ने कहा कि यह गढ़भोज केवल एक भोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों की ओर लौटने, स्थानीय मोटे अनाजों (मिलेट्स) के संरक्षण और 'वोकल फॉर लोकल' की जीवंत पाठशाला को सिद्ध करता है। प्राधानाध्यापक ने कार्यक्रम के सफल आयोजन कि लिए भोजनमाता अनीता देवी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बुधवार को स्कूल में गढ़भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों की पारंपरिक पहाड़ी व्यंजनों और उनके पोषक तत्वों की जानकारी दी गई।

कहा कि यह सभी के लिए पोषक तत्वों का महत्वपूर्ण विकल्प है। मौसम और जलवायु के अनुरूप भोजन करना ही स्वास्थ्यवर्धक होता है।

श्रीनगर में निकाली सेवा ज्योति यात्रा

श्रीनगर गढ़वाल : सेवा संकल्प कार्यक्रमों के तहत भाजपा की ओर से सेवा ज्योति पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री तीर्थ सिंह रावत, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, बदरी-कंदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी समेत भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। पदयात्रा रामलीला मैदान से शुरू होकर गोला बाजार, काला रोड और बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग से होते हुए वापस रामलीला मैदान पहुंचकर संपन्न हुई। कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तीर्थ सिंह रावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों और उनके नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सेवा, सुशासन और जनकल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। इस मौके पर मेयर आरती भंडारी, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत, प्रमिला भंडारी, विनय धिलिडयाल, गणेश भट्ट आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

गढ़भोज में पहाड़ी व्यंजनों का लिया स्वाद

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़भोज दिवस पर सेवा संकल्प अभियान के तहत रामलीला मैदान में गढ़भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सरौला समाज ने पारंपरिक गढ़भोज की रसोई तैयार की। बड़ी संख्या में लोगों ने पारंपरिक तरीके से जमीन पर बैठकर पतलों में पहाड़ी व्यंजनों का स्वाद लिया। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने भी लोगों को भोजन परोसा। गढ़भोज के लिए खंडाह, गिरगांव और फरखेतु से सरौला पंडित पहुंचे थे। उन्होंने भड्डू की दाल, मीठा भात, तोर की दाल, लाल चावल का भात, कंडाली का काफली, कोदे की रोटी, आलू के गुटके, फाणू-चौसा और जंगीरे की खीर समेत कई अन्य पहाड़ी व्यंजन तैयार किए।

उत्तर रेलवे निविदा सूचना			
पत्रांक :	75-W/2/3/WA/Publication	दिनांक:	06.10.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुचादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिमांडिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।			
Tender No.	203-DRM-MB-26-27 dt. 06.10.2026	211-DRM-MB-26-27 dt. 06.10.2026	
Name of	Heavy repair to Divisional Railway Hospital & Chest Clinic building Moradabad under ADEN/HQ/MB.	Provision of improvement in S&T Store for safe upkeep of high value and safety critical equipments at HPU, MB, DPR, HW, JWP, RWL, LRJ, NBD, CH, BE, SPN, SC, MINJ, HRI and SAN Station over Moradabad Division.	
Tender Closing Date	30.10.2026	30.10.2026	
Advertised Value (Rs.)	59,99,811.57	8,36,22,452.38	
Earnest Money (Rs.)	1,20,000.00	16,72,500.00	
Tender Cost (Rs.)	00	00	
Bidding Start Date	16.10.2026	16.10.2026	
Period of Completion	06 Months	06 Months	
याहकों की सेवा में मुरकान के साथ			3469/26

उत्तर रेलवे निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुचादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिमांडिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।
Tender No.
Name of
Tender Closing Date
Advertised Value (Rs.)
Earnest Money (Rs.)
Tender Cost (Rs.)
Bidding Start Date
Period of Completion
याहकों की सेवा में मुरकान के साथ

कार्यालय नगर पंचायत सतपुली, पौड़ी गढ़वाल

संख्या- 455/ न0प0स0/2026-27/नि0प्र0सू0/

दिनांक 07 अक्टूबर 2026

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत सतपुली के द्वारा अपने पंजीकृत ठेकेदारों से नगर पंचायत सतपुली के अन्तर्गत विभिन्न वाडों में होने वाले निर्माण कार्यों की निविदायें दिनांक 22.10.2026 को 3.00 बजे साय तक आमंत्रित की जाती है। जो कि दिनांक 22.10.2026 को समय 4.00 बजे अपराह्न को निविदादाताओं एवं अधोहस्ताक्षरी/गठित चयन समिति के सम्मुख खोली जायेगी, निविदा प्रपत्र दिनांक 21.10.2020 को साथ 4:00 बजे साय तक निर्धारित निविदा मूल्य अदा कर क्रय किये जा सकते है। कार्य की निविदा के साथ कार्य की लागत का 3% प्रतिशत धनराशि बतौर धरोहर के रूप में सी0डी0आर0/एफ0डी0आर0 जो कि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सतपुली के नाम बन्धक हो लगानी अनिवार्य होगी। बिना धरोहर धनराशि वाली निविदा पर किसी भी प्रकार से कोई विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी निविदा या समस्त निविदा को बिना किसी कारण बताये निरस्त / स्थगित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी/गठित चयन समिति को सुरक्षित रहेगा। अन्य शर्त व सूचना को किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में देखी जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की आंगणन की लागत जौ0एस0टी0 सहित	धरोहर धनराशि	वैधता	निविदा मूल्य 18 प्रतिशत जौ0एस0टी0	पंजीयन श्रेणी
1	नगर पंचायत सतपुली के अंतर्गत वार्ड नं0 4 में श्री संजय रावत के पुराने मकान से लेकर श्री डबल सिंह की गोशाला तक इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य।	रू 2.49 लाख	रू 7,500/-	45	1770/- G.S.T	सी0
2	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड नंबर 01 में श्री कुलदीप चंद्र के घर से लेकर श्री वीरेंद्र सिंह के घर से होते हुए पुरुषोत्तम सिंह के घर तक और श्री अजीतराम के घर से रेन बसेरा (TRH) तक पीवीसी पाइप द्वारा जल निकासी इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने और पुरता निर्माण का कार्य।	रू 5.76 लाख	रू 17,300/-	45	2360/- G.S.T	बी0
3	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड नं0 04 सतपुली गल्ली में श्री सुरेन्द्र सिंह के घर से श्री सर्वेन्द्र सिंह के घर तक इन्टर लॉकिंग टाइल लगाने, रेलिंग एवं पुरता निर्माण का कार्य	रू 8.20 लाख	रू 24,600/-	45	2360/- G.S.T	बी0
4	नगर पंचायत सतपुली के अंतर्गत वार्ड नं0 01 में नगर पंचायत भवन से पेट्रोल पम्प तक खुली नाली पर जाली लगाने का कार्य।	रू 8.44 लाख	रू 25,500/-	45	2360/- G.S.T	बी0
5	नगर पंचायत सतपुली के अंतर्गत वार्ड नंबर 01 में पेट्रोल पम्प से कुकरेती बेंड तक खुली नाली पर जाली लगाने कार्य।	रू 8.81 लाख	रू 26,500/-	45	2360/- G.S.T	बी0

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सतपुली

अध्यक्ष
नगर पंचायत सतपुली

कर दिया था। सफल छात्रों की इस सूची के तहत 46 विषयों में करीब 207 छात्रों को प्रवेश दिए जाने हैं। विवि के छात्र संघ अध्यक्ष हिमांशु भंडारी का कहना है कि 12 जुलाई को प्रवेश परीक्षा हुई और जुलाई में ही परिणाम भी जारी हो गए थे। सफल छात्रों के विभागवार साक्षात्कार के बाद अंतिम परिणाम घोषित कर दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई छात्रों के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ियां भी हुई हैं। उनके प्रमाणपत्रों की स्कूटी सभी तरीके से नहीं हुई है। इस कारण कई विभागों में अभी तक पीएचडी में प्रवेश की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पाई है।

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा का अंतिम परीक्षा परिणाम जारी होने के बावजूद अभी तक कई विभागों में चर्मीत छात्र-छात्राओं के प्रवेश की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। प्रवेश देने में हो रही देरी से छात्रों में आक्रोश पनप रहा है। छात्रों का कहना है कि परीक्षा परिणाम जारी हुए ढाई माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन पीएचडी में अभी तक प्रवेश नहीं हो पा रहे हैं। गढ़वाल केंद्रीय विवि के बिड़ला, पौड़ी एवं टिहरी परिसर सहित संबद्ध कॉलेजों में पीएचडी में प्रवेश के लिए विवि ने कुछ समय पहले अंतिम परिणाम घोषित

पारंपरिक ‘गढ़ भोज’ कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि, कोटद्वार, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के गृह विज्ञान विभाग में पारंपरिक ‘गढ़ भोज’ कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. मंजू यादव एवं डॉ. शशि बाला उनियाल के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में छात्राओं द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तराखंड की समृद्ध पारंपरिक खान-पान संस्कृति, स्थानीय अनाज, दालों एवं पारंपरिक व्यंजनों के पोषण संबंधी महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा राज्य की सांस्कृतिक एवं खाद्य विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा उत्तराखंड के विभिन्न पारंपरिक गढ़वाली व्यंजन तैयार किए गए और उन्हें आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

पारंपरिक व्यंजनों की उपयोगिता पर विशेष व्याख्यान
कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. मंजू



यादव ने छात्राओं को गढ़ भोज की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पोषण संबंधी विशेषताओं की जानकारी दी। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि उत्तराखंड के पारंपरिक भोजन में शामिल

मंडुआ, झंगोरा, स्थानीय दालें एवं अन्य पहाड़ी खाद्य पदार्थ पोषक तत्वों से भरपूर हैं और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आधुनिक जीवनशैली में स्थानीय

एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देकर संतुलित एवं पौष्टिक आहार को अपनाया जा सकता है। डॉ. शशि बाला उनियाल ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि नई

पीढ़ी उत्तराखंड की समृद्ध खाद्य संस्कृति एवं पारंपरिक विरासत को संरक्षित करने में सक्रिम भूमिका निभाए तथा स्थानीय उत्पादों एवं पारंपरिक व्यंजनों को अपने दैनिक जीवन में स्थान दे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक भोजन केवल हमारी संस्कृति और पहचान का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसमें स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अनेक महत्वपूर्ण गुण विद्यमान हैं।

प्रभारी प्राचार्य ने की छात्राओं के प्रयासों की सराहना
कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य प्रो. निरंजना शर्मा ने छात्राओं द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ‘गढ़ भोज’ जैसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी जड़ों, स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पारंपरिक खाद्य संस्कृति हमारी अमूल्य विरासत है, जिसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना चाहिए।

इस अवसर पर प्रो. इंदु तिवारी, प्रो. दीपक पांडेय, प्रो. सुरत सिंह, डॉ. सन्दीप कुमार, डॉ. विनोद सिंह, डॉ. जीतेन्द्र सिंह, डॉ. श्रद्धा सिंह, डॉ. राकेश कुमार द्विवेदी, डॉ. संजय मदान, डॉ. प्रवीण डोभाल, डॉ. ममता रावत, डॉ. स्वेता कुक्रेती, श्रीमती शाहिस्ता एवं श्री अब्दुल जब्बार सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों को तैयार किया।

आयोजन ने उत्तराखंड की पारंपरिक खाद्य संस्कृति, स्थानीय उत्पादों, पोषण, स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक विरासत के महत्व को प्रभावी ढंग से रेखांकित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं एवं विभागीय शिक्षिकाओं के प्रयासों की उपस्थित सभी सदस्यों ने सराहना की।

उत्तरौ गांव की 200 मीटर सड़क का मामला फिर उठा
उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के उत्तरी गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली करीब 200 मीटर सड़क का मामला एक बार फिर प्रशासन के सामने उठा है। सड़क की स्थिति को लेकर उपलब्ध अभिलेखों और विभागीय पत्राचार के बावजूद स्थिति साफ नहीं होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमंडल ने डीएम से मुलाकात कर जांच कर अभिलेखों के आधार पर स्थिति साफ करने की मांग की। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के सामने सड़क से संबंधित उपलब्ध दस्तावेज और विभागीय पत्राचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह संपर्क मार्ग गांव के लिए महज 200 मीटर की सड़क नहीं बल्कि रोजमर्रा के आवागमन की महत्वपूर्ण कड़ी है। लंबे समय से मामला समाधान तक नहीं पहुंचने के कारण ग्रामीणों की समस्या बनी हुई है ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि ग्रामीणों का उद्देश्य किसी व्यक्ति, कारगर अथवा विभाग के अधिकारों को प्रभावित करना नहीं है। उनकी मांग है कि सरकारी अभिलेखों और मौके की वास्तविक स्थिति का निष्पक्ष मिलान कर स्थिति स्पष्ट की जाए और इसके आधार पर सड़क की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए।

पारम्पारिक व्यंजन प्रतियोगिता मे प्रिया, अमीषा ने मारी बाजी

भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में गढ़भोज दिवस का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। लैसडौन : भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल में बुधवार को गढ़भोज दिवस धूमधाम से मनाया गया। गढ़भोज दिवस 2026 का विषय गढ़भोज : स्वस्थ उत्तराखंड की ओर एक सशक्त कदम निश्चित किया गया है। व्यंजन प्रतिद्वंद्वी अवसर पर विद्यार्थियों के लिए उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजन बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। पारम्परिक व्यंजन प्रतियोगिता में प्रिया बीए तृतीय सेमेस्टर ने कंडाली पनीर की सब्जी बनाकर प्रथम स्थान, अमीषा रावत ने आटे का मीठा चोला (लपड़ी) बनाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

निर्णायक मंडल में डॉ. अर्चना नौटियाल, डॉ. अजय रावत, डॉ. पवनिका चंदोला शामिल रहे। संयोजक डॉ. सुमन कुक्रेती ने गढ़भोज दिवस मनाने की परंपरा एवं उत्तराखंड के



पारंपरिक व्यंजनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा की संयुक्त निदेशक डॉ. संगीता गुप्ता ने पारम्परिक व्यंजन बनाने हेतु छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी ने पारंपरिक व्यंजन एवं स्वास्थ्य, युवाओं द्वारा पारंपरिक

फसलों एवं व्यंजनों से जुड़कर रोजगार प्राप्त करने के विविध आयामों पर अपने विचार उच्च शिक्षा की संयुक्त निदेशक डॉ. संगीता गुप्ता ने पारम्परिक व्यंजन बनाने हेतु छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी ने पारंपरिक व्यंजन एवं स्वास्थ्य, युवाओं द्वारा पारंपरिक

फसलों एवं व्यंजनों से जुड़कर रोजगार प्राप्त करने के विविध आयामों पर अपने विचार उच्च शिक्षा की संयुक्त निदेशक डॉ. संगीता गुप्ता ने पारम्परिक व्यंजन बनाने हेतु छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी ने पारंपरिक व्यंजन एवं स्वास्थ्य, युवाओं द्वारा पारंपरिक

एक नजर

सारीगाड में मलबे ने रोकी यमुनोत्री हाईवे की रफ्तार

बड़कोट (उत्तरकाशी)। यमुनोत्री घाटी क्षेत्र में देर रात से जारी बारिश और आंधी-तूफान के बीच सारीगाड में यमुनोत्री हाईवे पर मलबा और पत्थर गिरने से बुधवार को यातायात प्रभावित रहा। पहाड़ी से लगातार मलबा आने के कारण हाईवे पर आवाजाही बार-बार बाधित होती रही। इससे यमुनोत्री धाम जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को घंटों तक मार्ग खुलने का इंतजार करना पड़ा। सारीगाड में मलबा और पत्थर आने के साथ ही हाईवे के अन्य संवेदनशील स्थानों जंगल चट्टी, दुर्बिल बैंड, जर्जर गाड़ और स्थानाचट्टी में भी यातायात प्रभावित हुआ। हालांकि फिलहाल हाईवे यातायात के लिए खुला है लेकिन सारीगाड समेत कई स्थानों पर दलदल और जलभराव के कारण वाहनों की आवाजाही जोखिमभरी बनी हुई है। लगातार खराब मौसम के चलते सारीगाड क्षेत्र में हाईवे पर भूस्खलन और मलबा आने का खतरा बना हुआ है। एनएच की ओर से संवेदनशील स्थानों पर मशीनों और कर्मचारी तैनात किए गए हैं ताकि मलबा आने पर तत्काल उसे हटकर यातायात सुचारु किया जा सके। एनएच के अधिशारी अभियंता मनोज रावत और निर्माण कार्य एजेंसी के पीएम गोपाली श्रीनिवासुल् रेड्डी ने बताया कि संवेदनशील स्थानों पर मशीनी और कर्मचारियों को मुस्तैद रखा गया है।

31 खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

उत्तरकाशी। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन स्कूल मातली के छात्र-छात्राओं ने खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। 31 छात्र-छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। चयनित खिलाड़ी देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रधानाचार्य सुनील बिट्ट तथा जिला समन्वयक आलोक ने बताया कि जूडो में बालक वर्ग में 25 किग्रा भार वर्ग में आर्यन, 30 किग्रा में प्रिंस, 35 किग्रा में सागर, 40 किग्रा में हनी सिंह, 45 किग्रा में आयुष, 50 किग्रा में आलोक और 50 किग्रा से अधिक भार वर्ग में सोम का चयन हुआ है। बालिका वर्ग में 27 किग्रा में प्राची, 32 किग्रा में रीवा आर्या, 36 किग्रा में सिमरन, 40 किग्रा में सृष्टि जुयाल, 44 किग्रा में तुलिका और 44 किग्रा से अधिक भार वर्ग में गुंजन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। वहीं, ताइक्वोंडो के बालक वर्ग में 25 किग्रा भार वर्ग में आर्यन, 27 किग्रा में आदित्य राणा, 29 किग्रा में सत्यम, 32 किग्रा में राजकुमार, 35 किग्रा में सागर, 38 किग्रा में आदित, 41 किग्रा में शिवम और 41 किग्रा से अधिक भार वर्ग में अरुण रावत का चयन हुआ है। बालिका वर्ग में 26 किग्रा में प्राची, 29 किग्रा में अरीति कलुग, 32 किग्रा में अंशिका रावत, 35 किग्रा में आरुषि चौहान, 38 किग्रा में दिव्यांशी और 38 किग्रा से अधिक भार वर्ग में तुलिका राज्य स्तर पर प्रतिभाग करेंगी। इस मौके पर हिमांशु जोशी, मोनु कुमार, खैरुल निशा, रमेश सिंह चौहान, शूरवीर सिंह पडवियार आदि मौजूद रहे।

आठ लिफ्ट सिंचाई योजनाओं में चोरी

उत्तरकाशी। यमुनाघाटी के नौगांव, पुरेला और मोरी ब्लॉक में लघु डाल खंड की करीब 25 लिफ्ट सिंचाई योजनाएं संचालित हैं। लगातार आठ पंप हाउस में चोरी होने से योजनाओं की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई तो अन्य सरकारी सिंचाई योजनाएं भी चोरों के निशाने पर आ सकती हैं।

लघु डाल खंड की अधिशारी अभियंता रुचि ने बताया कि संबंधित पंप ऑपरेटर्स ने चोरी की लिखित सूचना पुलिस को दी है। विभाग की ओर से भी संबंधित थानाध्यक्षों को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा जाएगा। वहीं, बगासू गांव के समीप 11 करोड़ की लागत से बनी जल निगम की पौटी खान्सी पंपिंग पेयजल पर भी चोरी ने इसी सप्ताह चोरी की है। यहां करीब सात से आठ लाख की वेस कीमती तार चोरी होने की बात सामने आई है।

यमुनोत्री धाम में जर्जर सीढ़ी से मजदूरों की सुरक्षा पर सवाल

बड़कोट। यमुनोत्री धाम में यात्रा सीजन समाप्त की ओर है लेकिन घोड़ा पड़ाव में मजदूरों की सुरक्षा और सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं अब भी जस की तस है। मजदूरों के आवागमन के लिए बनाई गई सीढ़ी लंबे समय से क्षतिग्रस्त है। जर्जर सीढ़ी से आवाजाही करना जोखिम भरा बना है। मजदूरों का कहना है कि शिकायत के बावजूद यात्रा सीजन के दौरान इसकी मरम्मत नहीं कराई गई।

कहा कि पूर्व में इसी सीढ़ी पर एक मजदूर का पैर फंसने से वह चोटिल हो चुका है। इसके बावजूद सीढ़ी की मरम्मत नहीं हुई। घोड़ा पड़ाव में मजदूरों को विश्राम स्थल तक पहुंचने के लिए प्रतिदिन इसी सीढ़ी का इस्तेमाल करना पड़ता है।

कहा कि पूर्व में इसी सीढ़ी पर एक मजदूर का पैर फंसने से वह चोटिल हो चुका है। इसके बावजूद सीढ़ी की मरम्मत नहीं हुई। घोड़ा पड़ाव में मजदूरों को विश्राम स्थल तक पहुंचने के लिए प्रतिदिन इसी सीढ़ी का इस्तेमाल करना पड़ता है।

महान विभूतियों के बारे में युवा पीढ़ी को जानकारी होनी जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल स्थित राजकीय इंटर कॉलेज पुरियाडांग में बुधवार को राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, भारत सरकार के निदेशक व भाजपा के राष्ट्रीय नेता बीरेंद्र जुयाल ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से उत्तराखंड राज्य की वर्तमान दशा एवं चुनौतियों पर सीधा संवाद किया। संवाद कार्यक्रम के दौरान हाजिर-जवाबी में निपुण छात्र-छात्राओं को वंदे मातरम की कैप और नकद पुरस्कार राशि भेंट की गई।

बीरेंद्र जुयाल ने कहा कि उत्तराखंड राज्य हमें आसानी से प्राप्त नहीं हुआ, इसके लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। इस राज्य के निर्माण के लिए कई महिलाओं और युवाओं ने अपनी शहादत दी, तब जाकर उत्तराखंड राज्य प्राप्त हुआ है। किस प्रकार उत्तराखंड राज्य हमें मिला, इसकी जानकारी प्रत्येक छात्र को होनी चाहिए। आज राज्य बनें 26 साल हो गए, लेकिन नई पीढ़ी को अपने राज्य और उसमें जन्मी महान विभूतियों के बारे में जानकारी नहीं है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की महान विभूतियों के बारे में भी प्रत्येक युवा पीढ़ी को



जानकारी होनी चाहिए। कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी प्रतिभाग करना चाहिए। सरकार समय-समय पर युवाओं के लिए विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर रही है। इस मौके पर पूर्व पीटीए अध्यक्ष जगमोहन डांगी,

वर्तमान पीटीए अध्यक्ष हिमानी भंडारी, प्रधानाचार्य मनोज कुमार गुनियाल, विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और कर्मचारीगण मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता बालम सिंह राणा ने किया।

विकसित भारत संकल्प सभा में लिया विकसित भारत के निर्माण का संकल्प

सेवा संकल्प अभियान के तहत गोपेश्वर में भव्य आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को गोपेश्वर बस स्टैंड में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी आमजन को दी गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की शपथ भी ली।

कार्यक्रम का शुभारंभ कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल एवं थराली विधायक भूपाल राम टट्टा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित सेवा ज्योति कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वचुंअल माध्यम से देशभर में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित किया। गोपेश्वर में

भी प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने देखा और सुना। इस अवसर पर विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी और भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और उद्वान के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, राज्य मंत्री हरक सिंह नेगी, भेषज संघ जिलाध्यक्ष सतेंद्र अस्वाल, नगर पालिका अध्यक्ष कर्णप्रयाग गणेश शाह, महिला

यमुनोत्री पहुंचे पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़



उत्तरकाशी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ बुधवार को चारधाम यात्रा के तहत जानकीचट्टी पहुंचे। यहां से डॉ. सुदेश धनखड़ रिमझिम

परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों में उत्साह नजर आया। इस दौरान कई श्रद्धालुओं ने उन्हें देखा और उनके धाम पहुंचने को लेकर चर्चा होती रही।



आयोज सदस्य विजया रावत, पूर्व राज्य मंत्री पुष्पा पासवान, भाजपा जिला प्रभारी संपत रावत, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी, सह

प्रभारी महावीर सिंह पंवार, जिलाध्यक्ष भाजपा गजपाल बर्वाल, भाजपा जिला महामंत्री विनोद कनवासी, अरुण मैठाणी,

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, परियोजना अधिकारी आनंद सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन मौजूद रहे।

गोपेश्वर में निकाली सेवा ज्योति यात्रा
कार्यक्रम में विधायक अनिल नौटियाल एवं विधायक भूपाल राम टट्टा ने सेवा ज्योति मशाल प्रज्वलित की। इसके बाद राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी मोहित बिष्ट एवं रफीक अहमद के नेतृत्व में भव्य सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। यात्रा गोपेश्वर बस स्टैंड से शुरू होकर दुल्लस मैदान तक पहुंची। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

600 व 400 मी. दौड़ में चिन्यालीसौड़ की दिव्यांशी रही अत्तल

उत्तरकाशी। मनेरा स्टेडियम में 26वीं जनपद स्तरीय एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन हुआ। अंडर-17 बालिका वर्ग की 600 मीटर दौड़ में चिन्यालीसौड़ की दिव्यांशी नेगी प्रथम, पुरेला की सिमरन द्वितीय व नौगांव की सुहानी तृतीय स्थान पर रही। 400 मी दौड़ में चिन्यालीसौड़ की दिव्यांशी नेगी, पुरेला की सिमरन और नौगांव की सुहानी क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहे। अंडर 17 बालिका वर्ग के 100 मी दौड़ में चिन्यालीसौड़ की दीपिका व स्नेहा प्रथम और द्वितीय एवं भटवाड़ी की दीपिका तृतीय रही। लंबी कूद में चिन्यालीसौड़ ब्लॉक की स्नेहा प्रथम, नौगांव की तमन्ना द्वितीय व पुरेला की सृष्टि तृतीय रही। चक्का फेंक में चिन्यालीसौड़ की दिव्यांशी बिष्ट प्रथम, डुंडा की अर्पिता द्वितीय पुरेला की मानसी तृतीय रही। गोला फेंक में पुरेला की मानसी प्रथम, भटवाड़ी की प्रतीक्षा द्वितीय व चिन्याली की दिव्यांशी बिष्ट तृतीय रही। अंडर-17 बालक वर्ग की लंबी कूद में आदित्य भंडारी प्रथम, निखिल डुंडा द्वितीय व रूपम चिन्यालीसौड़ तृतीय रहे। गोला फेंक में डुंडा के सूनल रावत प्रथम, चिन्याली के नमन रावत द्वितीय व मोरी के अनीश तृतीय रहे।

संक्षिप्त

समाचार

स्पेन में क्यों सड़क पर उतरे हज़ारों लोग, आशियाने के बढ़ते संकट के पीछे क्या है वजह?

मैड्रिड, एंजेंसी। स्पेन में बढ़ते आवासीय संकट के खिलाफ लोगों का गुस्सा अब सड़क पर दिखाई दे रहा है। किराए के बढ़ते बोझ और घरों की कमी से परेशान हज़ारों लोग देश के अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर स्पेन में आवास का संकट इतना गहरा क्यों हो गया? लोगों की नाराजगी की वजह क्या है? सरकार का इस पर क्या रुख है स्पेन में आवास का संकट कई वर्षों से बढ़ रहा है। देश में किराए पर रहने वाले लोगों के लिए घर का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। रियल एस्टेट वेबसाइट आइडिलिस्टा के मुताबिक, 2016 में स्पेन में औसत किराया 8.20 यूरो प्रति वर्ग मीटर था, जो इस साल बढ़कर 15.10 यूरो प्रति वर्ग मीटर हो गया। यानी करीब 10 साल में औसत किराया लगभग दोगुना हो गया है।

सऊदी अरब में पाकिस्तान-तुर्किये की सेना होगी तैनात: हूती विद्रोहियों से तनाव के बीच बड़ा फैसला; क्या है योजना?

इस्लामाबाद, एंजेंसी। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने सऊदी अरब में सैन्य दलों की तेजी से तैनाती के लिए जरूरी कदम उठाने पर सहमति जताई है। यह फैसला सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच लिया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बताया कि तीन देशों के मक्का रक्षा गठबंधन की रणनीतिक, राजनीतिक और रक्षा समिति की सोमवार को रियाद में आपात बैठक हुई। इसमें सऊदी अरब के सामने मौजूद सुरक्षा से जुड़े हालात और खतरों पर चर्चा की गई। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने अगस्त में तीन देशों के बीच रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में सामूहिक सुरक्षा की व्यवस्था बनाई गई है। इसके तहत तीनों देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होता है, तो उसे तीन पर हमला माना जाएगा। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के हवाले से डॉन ने बताया कि समिति ने सामूहिक रक्षा से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को तुरंत लागू करने का फैसला किया। समिति ने जरूरी सैन्य बल और क्षमताएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर भी सहमति जताई। इन सैन्य बलों की सऊदी अरब में तेजी से तैनाती सुनिश्चित करने की बात कही गई।

ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी: अमेरिका में महिला गिरफ्तार; चीन के लिए कैसे करती थी काम?

बैकॉक, एंजेंसी। एफबीआई ने कैलिफोर्निया की एक रियल एस्टेट एजेंट को गिरफ्तार किया है। उसे लॉस एंजिल्स हवाई अड्डे पर उस समय पकड़ा गया, जब वह देश छोड़ने जा रही थी। उस पर चीन के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी करने का आरोप है। संघीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एफबीआई के अनुसार, वानरिंग झांग हीदर नाम से भी जानी जाती है। उसने पिछले साल चीनी सरकार के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के बेटे और उनके परिवार पर नजर रखी थी। 34 वर्षीय झांग इथ्रियन में रहती है। उसे रविवार को लॉस एंजिल्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। उस पर चीन के लिए बिना पंजीकरण एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप है। यह जानकारी अमेरिका के सहायक संघीय अभियोजक बिल एस्सायली ने दी। शिकायत के अनुसार, झांग ने जिन लोगों पर नजर रखी, उनकी तस्वीरें और वीडियो बनाए। उसने उनकी गाड़ियों के नंबर की जानकारी भी चीनी अधिकारियों को भेजी। एस्सायली ने फॉर्बस न्यूज के कार्यक्रम ‘द बिग वीकेंड शो’ में बताया कि झांग अमेरिका की नागरिक है। उसने अमेरिकी नागरिकता हासिल की है। उस चीन जाने वाली उड़ान पर रवाना होते समय गिरफ्तार किया गया। यह तुरंत साफ नहीं हो सका कि उसकी ओर से बोलने के लिए कोई वकील मौजूद है या नहीं। उसे सोमवार दोपहर लॉस एंजिल्स की संघीय अदालत में पेश किया जाना है। यह मामला न्याय विभाग की ओर से की जा रही ऐसी कार्रवाइयों की नई कड़ी है। इन मामलों का मकसद अमेरिका की जमीन पर चीन के हितों को आगे बढ़ाने वाले कथित गुप्त एजेंटों का पता लगाना है। न्याय विभाग के अनुसार, इनमें से कई मामले उन लोगों से जुड़े हैं, जो अमेरिका में रह रहे लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता हैं। विभाग का कहना है कि चीन उन्हें तलाशने और परेशान करने के लिए आक्रामक तरीके अपना रहा है। उनकी आवाज को दबाने की भी कोशिश की जा रही है।

सऊदी अरब पर हूतियों ने दागी मिसाइलें, रियाद एयरपोर्ट और अरामको रिफाइनरी को बनाया निशाना

यमन, एंजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कई अहम ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। निशाने पर राजधानी रियाद का किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट और राबिध में अरामको की रिफाइनरी भी रही। हमलों के बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने हूती हमलों की कड़ी निंदा की है। हूतियों का कहना है कि ये हमले यमन पर सऊदी अरब की सैन्य कार्रवाई के जवाब में किए गए।

हूतियों का दावा- तीन बड़े सैन्य ऑपरेशन किए : हूती सैन्य प्रवक्ता हिमिडियर जनरल याह्या सरी ने सोमवार को टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन

ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए तीन ‘गुणात्मक सैन्य अभियान’ चलाए। सरी के मुताबिक, पहला अभियान रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किया गया। उन्होंने दावा किया कि हमला ‘सटीक और सीधे’ तरीके से किया गया, जिससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ।

अरामको रिफाइनरी में आग लगने का दावा : सरी ने बताया कि दूसरे अभियान में राबिध स्थित अरामको रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। हूती प्रवक्ता ने दावा किया कि यह हमला भी ‘सटीक और सीधे’ तरीके से किया गया और इसके बाद निशाना बनाए गए परिसर



में आग लग गई। हूती प्रवक्ता के अनुसार, तीसरे अभियान में पश्चिम एशिया के सऊदी क्षेत्र असिर में अबहा एयरपोर्ट, खमिस मुशैत एयरबेस और अक्कीफा कैप को निशाना बनाया गया। इसके अलावा नाजरान और जिजान में ‘अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों’ पर भी हमले

किए गए। सरी ने कहा कि इन हमलों को यमन पर सऊदी अरब के हमलों के जवाब में अंजाम दिया गया।

सऊदी हमलों के जवाब में कार्रवाई का दावा : सरी ने कहा कि पिछले 24 घंटों में सऊदी अरब ने यमन पर 60 हवाई और मिसाइल हमले किए।

चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने की कोशिश में ‘दुश्मन देश’, यह कितना घातक; भारत किस तरफ, तैयारी क्या?

वाशिंगटन, एंजेंसी। ‘परमाणु शक्ति’। यह एक ऐसा शब्द है, जिसका जिक्र होते ही दुनिया में असीमित ताकत रखने वाले देशों की चर्चा होना लाजमी है। हालांकि, अब यह असीमित ताकत सिर्फ पृथ्वी तक ही सीमित नहीं रहने वाली है। भविष्य के लिए जो योजनाएं तैयार की जा रही हैं, उसके तहत अब परमाणु शक्ति पैदा करने वाले न्यूक्लियर रिएक्टरों को अंतरिक्ष से आगे चांद तक ले जाने की कवायद शुरू हो गई। जिन दो दुश्मन धड़ों के बीच यह मुकाबला होना तय है, उनमें एक तरफ है अमेरिका और दूसरी तरफ हैं उसका पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी रूस। इतना ही नहीं मुकाबले में रूस के साथ है उसका पारंपरिक सहयोगी और पड़ोसी चीन। यानी पृथ्वी पर दो पक्षों के बीच जारी परमाणु शक्ति का मुकाबला अब चांद तक पहुंचने वाला है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने का मतलब क्या है? अमेरिका और रूस-चीन इस रेस में क्यों जुट गए हैं? इस रेस में दोनों धड़ों की तैयारी कैसी है और कितनी प्रगति हो चुकी है? चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचने का खतरा कितना ज्यादा है? और भारत इस रेस में किस तरफ है? आइये जानते हैं...

पहले जानें- चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने का मतलब क्या है? चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने और लगाने की जो रेस शुरू हुई है, उसका सीधा मतलब यह है कि अब



यह देश चांद पर अपने स्थायी ठिकाने (लूनर बेस) बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं, जिन्हें चलाने के लिए रूसी ऊर्जा लगातार सिर्फ परमाणु संयंत्र से ही आ सकती है। इन स्थायी ठिकानों से ही चांद पर आगे यह देश स्थायी बस्तियों को बसाने की कोशिशें शुरू कर सकेगे।

चांद पर फिलहाल लगातार ऊर्जा हासिल करने का कोई स्रोत नहीं मिल सका है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि चांद का माहौल पृथ्वी की तरह नहीं है। यहां मशीनों को ऊर्जा देने के लिए सूरज की रोशनी से पैदा होने वाली सौर ऊर्जा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में अलग-अलग देश अपने चांद के मिशन में लैंडर और रोवर में सौर ऊर्जा से चलने वाले सोलर सेल वाले पैनल लगाकर भेजते हैं। यही सोलर सेल सूरज की रोशनी में कार्य करते हैं और साथ ही इतनी ऊर्जा इकट्ठा कर लेते हैं कि सूर्य की रोशनी की गैरमौजूदगी में भी मशीनें चांद पर

काम कर सकें। हालांकि, इन सोलर सेल्स की क्षमता छोटी मशीनों को चलाने लायक ही होती है। ऐसे में बड़ी मशीनों और आने वाले समय में इंसानों के बेस को ऊर्जा देने के लिए परमाणु संयंत्र लगाने की जरूरत महसूस की जा रही है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाले यह संयंत्र चांद पर निर्बाध बिजली मुहैया करा सकते हैं। मौजूदा समय में अमेरिका और रूस-चीन दोनों पक्षों का मुख्य लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद जम चुकी बर्फ पर रिसर्च कर पानी जैसे कीमती संसाधनों पर नियंत्रण हासिल करना है। इसके अलावा, चंद्रमा को सौर मंडल में गहराई तक, जैसे- मंगल ग्रह जाने वाले भविष्य के अभियानों के लिए एक लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल करने की योजना भी तैयार की जा रही है, जिसके लिए चांद पर इंसानों का एक ठिकाना बनाना भी जरूरी होगा। ऐसे में अमेरिका की अंतरिक्ष एंजेंसी- नासा और रूस की

रोसातोम ने परमाणु संयंत्रों को चांद पर पहुंचाने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। रूस और चीन की तरफ से फिलहाल इससे जुड़ी टाइमलाइन 2036 तक की रखी गई है। हालांकि, इस चुनौती के मद्देनजर अमेरिका ने भी परमाणु संयंत्र को चांद पर पहुंचाने का प्रोजेक्ट 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसके पीछे एक डर यह है कि रूस और चीन अगर चंद्रमा पर अपना रिएक्टर पहले स्थापित कर लेते हैं तो वे इसके एक क्षेत्र को डी फैक्टो नो-गो जोन (एक्सक्लूसिव) यानी अपना इलाका बनाकर उसमें एंट्री बंद न कर दें। 1950 के दौरे की तरह ही अंतरिक्ष में सर्वोच्चता हासिल करना अमेरिका के लिए नाक का सवाल बन गया है, जबकि चीन-रूस के लिए यह अमेरिका को पछाड़ने और राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा मामला बन गया है। चंद्रमा पर परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की होड़ में दोनों प्रमुख धड़े- अमेरिका बनाम रूस-चीन गठबंधन की तैयारियां, समयसीमा और प्रगति तेज हो गई है।- नासा दिसंबर 2028 तक परमाणु ऊर्जा के जरिए अंतरिक्ष यान को मंगल ग्रह की ओर भेजने की योजना भी बना रहा है। नासा ने अपने कॉन्ट्रैक्ट्स से एक ऐसे परमाणु रिएक्टर का निर्माण करने को कहा है जो अंतरिक्ष यात्रा की परिस्थितियों को झेल सके और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बिना किसी इंसानी रख-रखाव के चल सके। नासा ने इस ‘लूनर रिएक्टर-1’ को दिसंबर 2030 तक लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है।

बाब अल-मंदेब पर हूती विद्रोहियों को बड़ा झटका: सऊदी गठबंधन ने छीने कई अहम इलाके; क्या अमेरिका भी साथ आया?

रियाद, एंजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन की सेनाओं ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास कई अहम इलाकों पर फिर कब्जा कर लिया है। यमनी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के साथ गठबंधन वाली सेनाओं ने जलडमरूमध्य के ठीक उत्तर में स्थित शहर धुबाब को फिर से अपने नियंत्रण में ले लिया है। उन्होंने बाब और हदीद शहरों पर भी कब्जा कर लिया है। इन अधिकारियों ने नाम नहीं बताते की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पत्रकारों से बात करने की आधिकारिक अनुमति नहीं थी। चरमदीयों ने बताया कि उन्होंने टैंकों और सैनिकों को इन शहरों में प्रवेश करते देखा। सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन हवाई हमलों से सरकारी बलों को समर्थन दे रहा है। इस सैन्य अभियान

में 100 लड़ाकू विमान शामिल हैं। यह सैन्य अभियान ऐसे समय शुरू हुआ, जब हूतियों ने कहा था कि उन्होंने यमन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में और ज्यादा इलाकों पर कब्जा कर लिया है। हूती विद्रोहियों ने इस क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण शहर पर भी कब्जा करने का दावा किया था। यह सऊदी समर्थित बलों के लिए बड़ा झटका था। हूती इस इलाके की एक रणनीतिक प्रांतीय राजधानी की ओर आगे बढ़ रहे थे। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुकी अल-मलिकी ने कहा कि 100 लड़ाकू विमान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की हूतियों के खिलाफ लड़ रही सेनाओं को हवाई मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने रणनीतिक बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को हवाई सुरक्षा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि जारी सैन्य अभियान के तहत हूतियों के सैकड़ों ठिकानों को नष्ट किया गया है।

ट्रंप ने फिर किसे दी धमकी?: ब्रिटेन से अमेरिकी बमवर्षक हटाने पर बोले- हम जानते हैं कौन जिम्मेदार, और क्या कहा?

वाशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिका ने अज्ञात धमकियों के बाद यूके स्थित अपने सैन्य बेस से बॉम्बर विमानों को हटा लिया है। इस घटनाक्रम के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को पता है कि इन धमकियों के पीछे कौन है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि जिम्मेदार लोग बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। अमेरिका की वायुसेना ने इंग्लैंड में स्थित अपने एक सैन्य एयरबेस से सभी बमवर्षक विमान वापस बुला लिए हैं। यह एयरबेस अमेरिकी नियंत्रण में है। यहां से ईरान पर हमले किए गए थे। यह कदम आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस पर कथित आतंकी हमले की साजिश की जांच के बाद उठाया



गया है। आरएएफ फेयरफोर्ड लंदन से करीब 100 मील यानी 160 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। मध्य पूर्व में दशकों से चले आ रहे संघर्षों के दौरान अमेरिका इस एयरबेस का इस्तेमाल अपने बमवर्षक विमानों के लिए करता रहा है। पेंटागन ने की वापसी की पुष्टि पेंटागन ने पुष्टि की है कि

आरएएफ फेयरफोर्ड पर तैनात सभी अमेरिकी बॉम्बर्स मूल ठिकानों पर लौट रहे हैं, हालांकि उन्होंने नई चेतावनियों पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, यह नई जानकारी उसी खतरे का हिस्सा थी जो तीन हफ्ते पहले सामने आई थी, लेकिन पिछले 24 घंटों में कुछ विशिष्ट विवरण मिले और तत्परता की स्थिति अचानक बढ़ गई, जिसके बाद सैन्य कमांडरों ने तत्काल निकासी का फैसला लिया। मिलिट्री एयर ट्रेकिंग अलायंस जैसे विमानन गतिविधियों पर नजर रखने वाले समूहों ने ईरान युद्ध शुरू होने के शुरुआती दिनों से आरएएफ फेयरफोर्ड से दर्जनों बी-52 और बी-1

बमवर्षकों को उड़ान भरते देखा है। निगरानी करने वालों ने रविवार को कई बी-1 बमवर्षकों को इस एयरबेस से उड़ान भरते देखा। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इनमें नए हमले भी शामिल हैं। ट्रंप ने शुरुआत में अमेरिकी लोगों से कहा था कि यह अभियान कुछ हफ्तों तक चलेगा। ह्वाइट हाउस से आंहायो में एक रैली के लिए रवाना होते समय ट्रंप ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, ईरान को लेकर मेरे पास फैसले हैं, जो मैं करूंगा। ईरान तबाह हो चुका है। इसलिए एकमात्र सवाल यह है कि यह आसान तरीका होगा या मुश्किल तरीका।

17 साल बाद होगा फोर्ट हूड कांड का अंत: निडाल हसन की मौत की सजा पर ट्रंप की मुहर, क्या अब भी रुक सकता है फैसला?

वाशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2009 में टेक्सास के फोर्ट हूड सैन्य अड्डे पर गोलीबारी कर 13 लोगों की जान लेने वाले सेना के मेजर निडाल मलिक हसन को फायरिंग स्कॉड के जरिए मौत की सजा देने को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी सेना में 1961 के बाद से अब तक किसी को फांसी या अन्य तरीके से मृत्युदंड नहीं दिया गया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि अब सेना के सचिव फांसी की तारीख और जगह तय करेंगे।

‘हसन के लिए आखिरकार फैसला का दिन आ गया’ : पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक्स पर लिखा, ‘हसन के लिए आखिरकार फैसला का दिन आ गया है।’ हसन उस समय अमेरिकी सेना में मनोचिकित्सक था। 2009 में वह फोर्ट हूड के एक मेडिकल सेंटर में पहुंचा, जहां सैनिक मेडिकल जांच के लिए मौजूद थे। उसने अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हसन ने लेजर से निशाना साधने वाली पिस्तौल से सैनिकों पर गोलियां बरसाईं। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। गोलीबारी शुरू करने से पहले उसने ‘अल्लाहु अकबर’ कहा था, जिसका अर्थ है ‘ईश्वर महान है।’

‘अपने ही लोगों को मारने से रोकना चाहता था’ : हसन ने बाद में कहा था कि उसने यह हमला

इसलिए किया क्योंकि वह अमेरिकी सैनिकों को अफगानिस्तान जाने और वहां अपने मुस्लिम साथियों को मारने से रोकना चाहता था। मुकदमे के दौरान उसने खुद को बचाने की लगभग कोई कोशिश नहीं की। उसने जुरी के सामने माना था कि गोली चलाने वाला वही था और खुद को ऐसा सैनिक बताया था जिसने ‘पाला बदल लिया।’

फांसी अभी तुरंत नहीं होगी, कानूनी रास्ता खुला : ट्रंप की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि हसन को तुरंत मौत की सजा दे दी जाएगी। फैसले के बाद कई कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी होनी बाकी हैं। हसन इस प्रक्रिया को लंबे समय तक रोकने की कोशिश कर सकता है। इसके लिए वह अमेरिकी संघीय अदालत में हेबियस कॉर्पस याचिका दायर कर सकता है। मई में प्रकाशित आर्मी लॉयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसी कानूनी लड़ाई कई साल तक चल सकती है। अमेरिकी सैन्य न्याय व्यवस्था में मौत की सजा मिलना ही बेहद दुर्लभ है और उसे अमल में लाना उससे भी ज्यादा असामान्य रहा है। फिलहाल सेना की डेथ रो में चार लोग हैं, जिनमें हसन भी शामिल है। इन सभी को कंसास के फोर्ट लीवेनवर्थ में रखा गया है। इससे पहले राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने 2008 में सेना के जवान रोनाल्ड ग्रे की फांसी को मंजूरी दी थी। हालांकि, एक जज के आदेश के बाद उस सजा पर रोक लग गई।

फ्लाइंडुबई हमले के पीछे किसका हाथ?: डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर जताया शक, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने क्या कहा?

वाशिंगटन,एंजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार फ्लाइंडुबई घटना को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि 30 सितंबर की 30 सितंबर की फ्लाइंडुबई घटना के लिए ईरान जिम्मेदार था। बत दें कि जिसमें भारतीय पायलट रिमात मख़्खर को ओमान के को-पायलट हमम अल-हम्ममी ने चाकू मार दिया था।

यूएई के अधिकारी कर रहे जांच : ट्रंप की ये टिप्पणियां तब आई जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को अलास्का जाते समय पत्रकारों से कहा कि इस घटना को ईरान से जोड़ने वाली कोई पक्की बात नहीं है। घटना की जांच कर रहे यूएई के अधिकारियों ने अभी तक हमले के पीछे कौन था। इस पर कोई पक्का नतीजा नहीं बताया है क्योंकि जांच अभी जारी है। सऊदी अरब के अधिकारियों द्वारा शुरुआती पृछाछा के बाद



अल-हम्ममी को यूएई को सौंप दिया गया है।

ट्रंप ने क्या कहा : सोमवार दोपहर जब ट्रंप ‘एयर फोर्स वन’ में सवार हो रहे थे, तो एक रिपोर्टर ने उनसे फ्लाइंडुबई की घटना में ईरान की भूमिका के बारे में पूछा। ट्रंप ने कहा, मुझे ऐसा लगता है। मुझे व्यक्तिगत रूप से ऐसा लगता है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने क्या टिप्पणी की हालांकि, जब सोमवार को अलास्का के लिए रवाना होते समय पत्रकारों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सेकंड लेडी उषा वेंस से

इस बारे में पूछा, तो आंहायो के रिपब्लिकन नेता ने बहुत सावधानी बरती। सीधे टिप्पणी करने के बजाय, उन्होंने कहा कि वह इस मामले को सीआईए डायरेक्टर पर छोड़ देंगे, क्योंकि वे इस पर टिप्पणी करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। जेडी वेंस ने कहा, ‘यह मामला मैं जॉन डेटविकफ और कुछ इंटेलिजेंस अधिकारियों पर छोड़ूंगा हूं। मैं किसी भी घोषणा से पहले कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन निश्चित रूप से हम इस पर गौर कर रहे हैं। हालांकि, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने अभी तक कोई ठोस सबूत देखा है।’ इसाइल, यूएई और सऊदी अरब के अधिकारियों ने फ्लाइंडुबई की घटना को आतंकी हमला बताया है। लेकिन अभी भी यह सवाल बना हुआ है कि क्या हमला करने वाले को-पायलट ने अकेले यह कदम उठाया या वह किसी बड़ी आतंकी साजिश का हिस्सा था। एबीसी न्यूज ने जांच

की जानकारी रखने वाले अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि जांचकर्ताओं का मानना है कि ओमान के को-पायलट ने किसी बड़े संगठन का हिस्सा होने के बजाय अकेले ही यह काम किया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जांच अभी शुरुआती दौर में है। वहीं, यूएई के अटॉनी जनरल और प्रॉक्सियूटर जनरल हमद सैफ अल शम्सी ने 3 अक्टूबर को कहा था कि शुरुआती जांच से पता चला है कि हमम अल-हम्ममी ने आतंकवादी हमला करने की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा, ‘फ्लाइंडुबई की फ्लायट नं0173 से जुड़ी घटना की जांच में पता चला है कि को-पायलट ने अंतर्कवादी हमला करने की कोशिश की थी।’ उन्होंने यह भी कहा कि वे घटना के पूरे हालात, मकसद और किसी भी तरह के कनेक्शन का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं।

ब्रिटिश उपन्यासकार जेफ्री आर्वर का निधन: कलम से पाई शोहरत, सियासत से विवाद और जेल तक; ऐसा रहा जीवन का सफर

लंदन, एंजेंसी। ब्रिटेन के मशहूर लेखक और पूर्व राजनेता जेफ्री आर्चर का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। अपनी किताबों से दुनिया भर में पहचान बनाने वाले आर्चर का राजनीतिक जीवन झुठी गवाही के मामले में जेल जाने के बाद विवादों में घिर गया था।

प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स ने बताया कि आर्चर का सोमवार को उनके घर पर निधन हुआ। खास बात यह है कि उनकी आखिरी किताब ‘एडम और ईव’ के वैश्विक रिलीज से ठीक एक दिन पहले उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

पांच दशक तक किताबों की दुनिया में छाप रहे : जेफ्री आर्चर का लेखकीय सफर करीब पांच दशक लंबा रहा। उनकी पहली किताब ‘नॉट ए पेनी मोर, नॉट ए पेनी लेस’ 1976 में प्रकाशित हुई थी।

यह उपन्यास उनके उस दौर से प्रेरित बताया जाता है, जब खराब निवेश के चलते वह लगभग दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गए थे। इसके बाद ‘केन एंड एबेल’ समेत उनकी कई किताबें बेहद लोकप्रिय हुईं। हार्पर कॉलिन्स के अनुसार, आर्चर की किताबों की दुनिया भर में करीब 30 करोड़ प्रतियां बिकीं। वह ब्रिटेन की ‘संडे टाइम्स’ बेस्टसेलर सूची में 14 साल पांच महीने और ‘न्यूयॉर्क टाइम्स’ की सूची में पांच साल से ज्यादा समय तक बने रहे। आर्चर ने लेखन के साथ ब्रिटेन की राजनीति में भी मजबूत जगह बनाई। वह प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर के दौर में कंजर्वेटिव पार्टी में तेजी से आगे बढ़े। 1992 में थैचर के उत्तराधिकारी प्रधानमंत्री जॉन मेजर ने



उन्हें हाउस ऑफ लॉर्ड्स का सदस्य बनाया। लेकिन बाद में एक कानूनी विवाद ने उनके राजनीतिक करियर को गहरा झटका दिया। 1999 में लंदन के मेयर पद के लिए चुनाव लड़ते समय आर्चर पर पुराने मानहानि मामले में अदालत को गुमराह करने का आरोप सामने आया। उन्होंने एक अखबार पर मुकदमा किया था, जिसने उन पर एक यौनकर्म की पैसे देने का आरोप लगाया था।

वह मुकदमा जीत गए थे और उन्हें 5 लाख पाउंड का हर्जाना मिला था। बाद में जुरी ने पाया कि उन्होंने 1987 के मामले में अपने पक्ष में झुठी कहानी और फर्जी अलिबी तैयार किया था। 2001 में उन्हें झुठी गवाही के लिए चार साल की सजा हुई। वह दो साल से कुछ अधिक समय जेल में रहे और 2003 में रिहा हुए। जेल से लौटने के बाद भी आर्चर ने लेखन जारी रखा। उन्होंने जेल के अनुभवों पर तीन हिस्सों वाली ‘अ प्रिजन डायरी’ लिखी, जिसमें ‘हेल’, ‘परग्रेटी’ और ‘हेवन’ शामिल थे। इन किताबों में ब्रिटेन की जेलों और कैदियों की जिंदगी की झलक देखने को मिली। आर्चर ने राजघराने में बेटियों को बेटों के बराबर उत्तराधिकार का अधिकार देने की मांग भी उठाई थी।



राजस्थान के पश्चिमी छोर पर थार मरुस्थल में बसे इस खूबसूरत शहर के किले, प्राचीन मंदिरों और रेत पर ऊंट की सवारी का लुत्फ लेने के लिए अब तमाम साधन उपलब्ध हैं। देश के सबसे गर्म शहरों में शुमार जैसलमेर को रेतीली जमीन पर बसा होने के कारण पहले मेरू नाम से जाना जाता था। सन 1156 में जैसलमेर की स्थापना भाटी राजा जैसल ने की थी और 12 साल तक यहां शासन किया।



लुभाने लगे तालाब और स्तूप

मध्य प्रदेश के प्राचीन धरोहरों की तरफ पूरी दुनिया के पर्यटक मानो खिंचे चले आ रहे हैं। बिहार के बौद्ध सर्किट की तरह ही मध्य प्रदेश भी विश्व पर्यटन पर अपना अमिट अक्स छोड़ने लगा है। भोपाल की गैस त्रासदी दिल दहलाने वाली जरूर है लेकिन इस शहर का एक दूसरा रूप भी है जो मन और आंखों को मोहने वाला है। तालाबों के शहर भोपाल की गंगा जमुनी संस्कृति आधुनिकता का आवरण पहने सैलानियों के मन प्राण पर छा रही है। भोपाल ही नहीं खजुराहो और मांडू जैसे पर्यटन क्षेत्र भी पर्यटकों के जमघट के गवाह बन रहे हैं। प्राचीन धरोहरों से समृद्ध यह प्रदेश आधुनिकता के हाईवे पर भी किसी से पीछे नहीं है। राजधानी भोपाल को नए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स व मॉल जैसे आधुनिक रूपां ने भी सजाया है। अरेरा और शामला हिल्स स्थित रेस्तरां, म्यूजियम और होटल सैलानियों के लिए खासे चर्चित हो रहे हैं। %भोपाल ब्यूटी% के नाम से चर्चित ऊपरी तालाब में स्पीडबोटों में आनंद की अठखेलियों में डूबते-उतपते धनी लोग एक अनोखा दृश्य उपस्थित करते हैं। तालाबों के उत्तर में पुराना शहर है। भोपाल से 46 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में गोलाई लिए एक पहाड़ी का अभ्युदय हुआ है, जिसे सांची के नाम से जाना जाता है। इस पहाड़ी पर भारत के कुछ अति प्राचीन बौद्ध स्थल बने हुए हैं। सांची का बौद्ध स्तूप अपनी गरिमा और ऐतिहासिकता के साथ मध्य प्रदेश की गरिमा में चार चांद लगा रहा है। कलिंग युद्ध के बाद बौद्ध मौर्य सम्राट अशोक ने स्तूप बनाने के लिए अपनी पत्नी के जन्म स्थान के पास इस जगह को चुना।बुजों से सजा यह स्थल धार्मिक अवशेषों का संग्रह करने के लिए बनाया गया था। इस इलाके में यह पहला बौद्ध स्मारक है। अल सुबह और शाम इन स्तूपों की छटा में जो निखार आता है, उसे देख कर ही महसूस किया जा सकता है। सांची के आसपास सोनारी, सतधारा, अंधेर, गिरासपुर जैसे बौद्ध स्थल बिखरे पड़े हैं। सांची से 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व बेतवा और बेस नदियों से सिंचित विदिशा ईशा पूर्व 5वीं और 6ठी शताब्दी में वाणिज्य का एक बड़ा केंद्र था। विदिशा भी पर्यटकों के लिए प्राचीन धरोहरों का एक अप्रतिम स्थल साबित होता है। इस सरजर्मी के इतिहास को सम्राट अशोक, सिंधिया और मुगलों के आगमन ने समृद्ध किया है। खजानों के देवता कुबेर यक्ष की पत्थर की तीन मीटर ऊंची प्राचीन मूर्ति पर्यटकों के आकर्षण का बड़ा केंद्र बन रही है। वहाँ के अन्य प्राचीन आकर्षणों में प्रेम आलिंगन में बद्ध 11वीं सदी में ढली सॉप दंपति, हनुमान एवं प्रेम के देवता कामदेव की मूर्तियाँ शामिल हैं। खजुराहो मंदिर यूनेस्को की विश्व-विरासत की सूची में शामिल है। विश्व पर्यटन के मानचित्र में खजुराहो का नाम प्रमुखता से उभर रहा है। खजुराहो कामशस्त्र पर आधारित मूर्तियों का समूह है। यह परिसर चंदेल वंश के राजाओं के समय 950 ई. से 1050 ई. के बीच बना था, जिसमें 85 मंदिर थे, हालाँकि अब सिर्फ 22 मंदिर ही बचे हैं। इनके अलावा यहाँ सिर्फ कंदरिया महादेव का मंदिर ही बचा है। यह मंदिर पाँच मुख्य वर्गों में विभाजित है, जिनमें तीन वर्ग छोटे मंदिरों के हैं। मंडप में प्रवेश करने पर सभाकक्ष पड़ता है, फिर एक गलियारा पार करने पर मंदिर का गर्भगृह मिलता है, जहाँ प्रतिमा स्थापित है। ऊँचे चबूतरे पर स्थित इन मंदिरों में कुछ बड़े, कुछ छोटे मंदिर हैं।



आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा

भारत में प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में सबसे प्रथम स्थल है आनंदपुर साहिब का गुरुद्वारा। सिख धर्म के लोग में यह गुरुद्वारा जागृत है। मान्यता है कि इस गुरुद्वारे में मत्था टेकने वाले श्रद्धालुओं की मुराद पूरी होती है। यह गुरुद्वारा पंजाब के उत्तर-दक्षिण क्षेत्र में चंडीगढ़ से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सन् 1664 में श्री गुरु तेग बहादुर ने माक्होवाल के प्राचीन क्षेत्र में आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा बनवाया था। गुरु गोबिंद सिंह ने इस स्थल पर 25 साल आनंदपुर में व्यतीत किया है। सन् 1936 - 1944 में तख्त केसरगढ़ साहिब बनाया गया। स्थानीय लोगों का मानना है कि तख्त साहिब में प्राचीन शस्त्र पाए गए हैं। तख्त साहिब के वास्तुशिल्प में एक बड़ा भवन निर्मित किया है एवं इमारत के सामने एक खूबसूरत वाटिका है। गुरुद्वारा के दर्शन करने भटिंडा से लेकर बर्मिधम के निवासी इस स्थल के दर्शन करने आते हैं। मार्च के महीने में होला मोहल्ला एवं बैसाख के महीने में कई लोग इस त्योहार को मनाते हैं। अप्रैल महीने में बैसाख का त्योहार धूमधाम एवं खुशियों से मनाया जाता है। होला मोहल्ला त्योहार दसवें गुरु गोबिंद सिंहजी ने मनाया है। हजारों श्रद्धालु यहाँ एकत्र होते हैं। रंगबिरंगे गुलाल के खेल में मन भाव विभोर हो जाता है। सन् 1999 में मनाया गया बैसाख पर खालसा पंथ के 300 साल पूरे हुए। पंजाब के प्रसिद्ध नृत्य-संगीत से त्योहार का प्रारम्भ होता है।



धरती का स्वर्ग है मॉरीशस

मॉरीशस के प्राकृतिक सौन्दर्य को देखकर ऐसा लगता है मानो धरती से स्वर्ग में आ गए हों। मॉरीशस की मुद्रा रुपी है परन्तु यूरोप के पर्यटकों के लिए वस्तुओं की कीमत यूरो में होगी। इस द्वीप में सफर करने केलिए मई से दिसंबर तक का समय उपयुक्त है। इस क्षेत्र की प्रमुख भाषा क्रियोल है। अन्य भाषाएँ जो यहाँ प्रचलित हैं, वे है अँग्रेजी, फ्रेंच, हिंदी, क्रियोल।

पोर्ट लुईस मॉरीशस की राजधानी है। अन्य मुख्य शहर हैं मोका, क्योरपाइप, वाकोस, फोइनक्स, क्राउरे बॉर्नस, रोस हिल, विउ

बासिन। मॉरीशस का क्षेत्रफल 330 वर्ग किलोमीटर है तथा आसपास समुद्री किनारे हैं। समुद्र के किनारे कोरल रीफ(समुद्र के पास पाया जाने वाला एक विशेष पौधा) से घिरे हुए हैं। समुद्र के किनारे मनोरंजन की सारी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

विभिन्न प्रकार की जलीय क्रीड़ाएँ खेल पर्यटकों के मध्य लोकप्रिय हैं जैसे वाटर सर्फिंग, वाटर स्कीइंग, पैरासेलिंग, सबमैरीन डाइव, जल स्कूटर, राइडिंग, ट्यूब राइडिंग, वोट सेलिंग आदि। पोर्ट लुईस एक प्रमुख व्यापारिक तथा पर्यटक स्थल है। इस

शहर में घूमने के लिए आप बाल्टर बीच(पुल) पर टहल सकते हैं। इस बीच का प्राकृतिक सौन्दर्य मनभावन है। थोड़ी ही दूर में वालंटियर प्वाइंट पर्यटक स्थल है। मॉरीशस में मोका एक प्रमुख शहर है। यहाँ पर आप महात्मा गाँधी इंस्टीट्यूट देख सकते हैं।

रोस हिल - इस शहर में खरीदारी के लिए माल्स, अरब टाउन मार्केट तथा टाउन सेंटर बाज़ार प्रसिद्ध हैं। क्योरपाइप - यह शहर शॉपिंग तथा भारतीय वस्त्रों के लिए प्रसिद्ध है। बॉटनिकल गार्डन्स तथा ट्राउ और सर्फस क्रेटर अब पर्यटक स्थल के

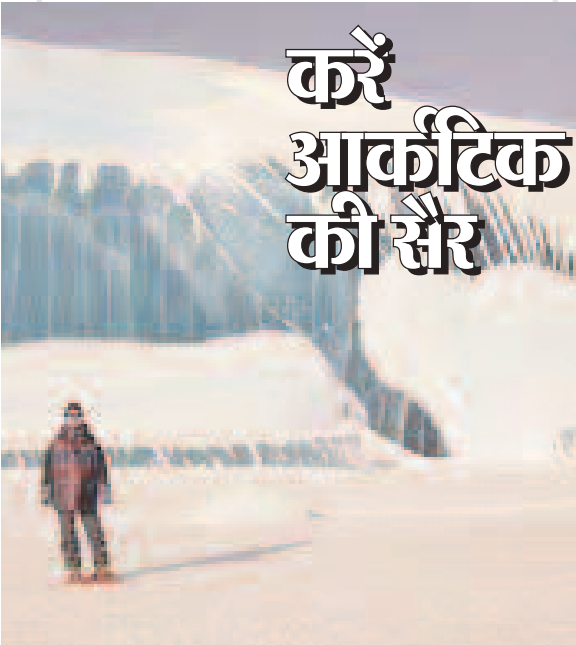
रूप में लोकप्रिय हैं।

माहेबर्ग में नेशनल हिस्ट्री म्यूजियम एक महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल है। यहाँ पर नाट्टी डेम देस एग्रेस (चर्च) प्रसिद्ध स्थल है। मॉरीशस में हस्तशिल्प बहुत ही प्रसिद्ध है। यह कला काफी सालों से चलती आ रही है। पैंपलमाउसेस - यहाँ का शुगर एडवेंचर म्यूजियम बहुत ही मशहूर है। इस म्यूजियम में मॉरीशस के सांस्कृतिक तथा साहित्यिक जानकारीयों उपलब्ध हैं। कासेला बर्ड पार्क - ब्लैक नदी के पास स्थित यह पार्क 20 किलोमीटर जमीन पर स्थित है।



पांच केदारों में प्रमुख है मदमहेश्वर

पिछले साल मेरा कार्यक्रम मदमहेश्वर जाने का बना। मध्य नवंबर तक यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ और कल्पेश्वर के कपाट बंद हो चुके थे। बस बद्रीनाथ और मदमहेश्वर के कपाट खुले थे। मैं निकला तो बद्रीनाथ के लिए ही था लेकिन रुद्रप्रयाग पहुंचकर बुद्धि फिरी और मदमहेश्वर जाने लगा। वहां जाने के लिए रुद्रप्रयाग जिले में ऊखीमठ तक जाना होता है। रुद्रप्रयाग से बसें और जीपें मिलती हैं। ऊखीमठ में मुख्य बाजार से सीधा रास्ता उनियाना जाता है जो आजकल मदमहेश्वर यात्रा का आधार स्थल है। मैं शाम तक उनियाना पहुंच गया था। यहां से मदमहेश्वर की दूरी 23 किलोमीटर है जो पैदल नापी जाती है। यूं तो मैं कभी अपनी यात्राओं में गाइड का सहारा नहीं लेता हूँ लेकिन इस बार लेना पड़ गया। चार सौ रुपये प्रतिदिन के हिसाब से तय किया था और आने-जाने का तीन दिन का हिसाब था। वैसे रास्ता इतना बढ़िया है कि गाइड की जरूरत ना पड़े। वैसे कुछ लोगों का यह भी मानना है कि पहाड़ के सफर में कोई स्थानीय जानकार होना अच्छा रहता है। खास तौर पर किसी मुश्किल या प्राकृतिक संकट के वक्त गाइड खासे काम आते हैं। अगले दिन सुबह उनियाना से चलकर तीन किलोमीटर आगे रांसी गांव पहुंचे। कुछ साल पहले तक यह यात्रा मनसूना से शुरू होती थी। मनसूना ऊखीमठ और उनियाना के बीच में है। तब यात्री पैदल ही मनसूना से उनियाना तक पहुंचते थे। अब उनियाना तक तो सड़क पहुंच गई है, आगे भी जाएगी। रांसी के लिए भी सड़क मार्ग पर बस एक पुल बनना बाकी है, सड़क बन चुकी है। जिस दिन पुल चालू हुआ, गाड़ियां उनियाना के बजाय रांसी तक जाया करेंगी। इस तरह पैदल चलने का रास्ता और कम हो जाएगा। वैसे भी रांसी उनियाना के मुकाबले ज्यादा समृद्ध और बड़ा गांव है। यहां राकेश्वरी देवी का एक प्राचीन मंदिर भी है। रांसी से हल्की सी चढ़ाई के बाद सामने दिखाई देता है गौण्डार गांव। गौण्डार तक सीधा ढलान है। घने जंगलों से होकर वहां तक पगडंडियां जाती हैं। यह इस घाटी का आखिरी गांव है। रांसी और गौण्डार के बीच में जो जंगल है, उसमें कई झरने भी हैं। दोपहर तक हम गौण्डार पहुंच गए। वहीं खाना खाया। उनियाना से अभी तक तो रास्ता कुल मिलाकर चढ़ाई भरा था लेकिन इतनी तेज चढ़ाई नहीं थी। असली चढ़ाई शुरू होती है गौण्डार से एक खड्ड को पार कर लेने के बाद। खड्ड के बाद सबसे पहले आता है बनतोली चट्टी। यहां रुकने का ठीकठाक इंतजाम है। यहां से चौखंभा चोटी के भी दर्शन होते हैं। वैसे तो चौखंभा उनियाना से निकलते ही दिखाई देने लगती है लेकिन बनतोली में उसे नजदीक से देखना रोमांचक है। गौण्डार से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे आती है- खटर चट्टी।



करें आर्कटिक की सैर

सभी के मन में उत्सुकता रहती है कि आर्कटिक में कितनी ठंड होगी, कितनी बर्फ गिरती होगी, लोग कैसे रहते होंगे, वे क्या करते होंगे, क्या खाते होंगे, क्या पैदावार होती होगी आदि-आदि। इन्हीं जिज्ञासाओं के समाधान के लिए हमने वहाँ की यात्रा करने का निश्चय किया। सेलिब्रिटी करूजेज की यह यात्रा बारह दिनों की थी तथा एम्सटरडम (नीदरलैंड) से शुरू हुई। यात्रा सेन्चुरी जहाज से शुरू हुई। यह जहाज चौदह मॉजला है। यह यात्रा नार्वे के समुद्र तट के साथ चलते हुए आर्कटिक सर्कल को पार करते हुए नॉर्थ केप पहुँची। समुद्र किनारे पर सैकड़ों स्थानों पर समुद्र पृथ्वी के अंदर तक पहुँच जाता है। कहीं-कहीं तो यह मौलों तक होता है। ये रास्ते ऊँचे पहाड़ों से भारी ग्लेशियरों के तेज प्रवाह के कारण सैकड़ों वर्षों से बनते आ रहे हैं। इन्हें फ्यूर्ड कहते हैं। इन फ्यूर्ड्स में गिरेनार फ्यूर्ड, हारडेनार फ्यूर्ड, नार्ड फ्यूर्ड तथा सोगने फ्यूर्ड काफी बड़े एवं दर्शनीय हैं। तीसरे दिन सुबह एलसंड पहुँचे। नार्वे के उत्तर-पश्चिम समुद्र तट पर बसा यह शहर इस देश का सबसे बड़ा मछली उत्पादक स्थान है। यहाँ सन्तमीर म्यूजियम, मार्बल चर्च, अटलांटिक सी पार्क दर्शनीय स्थल हैं। दिवभर यहाँ सैर करने के पश्चात शाम को जहाज आगे की यात्रा के लिए चल दिया। अगले दिन हम लोग समुद्र में ही रहे।

बीआईएस मानकों के प्रभावी अनुपालन पर मुख्य सचिव सख्त, विभागों को दिए निर्देश

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बह्मन की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से संबंधित राज्य स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में मानकीकरण, गुणवत्ता प्रबंधन और उपभोक्ता हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सरकारी प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया में निर्धारित नियमों के साथ संबंधित बीआईएस मानकों और गुणवत्ता मानकों का अनिवार्य रूप से प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

विभागीय अधिकारियों के लिए कार्यशालाओं पर जोर

मुख्य सचिव ने बीआईएस को संबंधित विभागों के साथ कार्यशालाएं आयोजित



करने और आवश्यक एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए नियमित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने पर

भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्लिंटो कंट्रोल ऑर्डर्स के संबंध में विभागीय अधिकारियों, उद्योगों और ट्रेडर्स को पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराई जाए। कार्यशालाओं

में बीआईएस के विशेषज्ञ एवं सक्षम रिसोर्स पर्सन शामिल हों, ताकि प्रतिभागियों को मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों और उनके अनुपालन की प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी मिल सके।

जिलास्तर पर भी प्रभावी समन्वय के निर्देश

मुख्य सचिव ने बीआईएस से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश और सूचनाएं सभी संबंधित विभागों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित सचिवों के साथ नियमित संवाद और समन्वय सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बीआईएस द्वारा जिलाधिकारियों के साथ आयोजित की जाने वाली बैठकों में भी प्रभावी प्रस्तुतिकरण किए जाने की बात कही, ताकि जलपद स्तर पर भी गुणवत्ता मानकों और उनके अनुपालन को प्राथमिकता दी जा सके।

दोस्तों के साथ नदी किनारे गया किशोर, पैर फिसलने से कोसी में समाया



मौजूद युवकों ने किशोर को बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी की तेज धारा के आगे उनकी कोशिश सफल नहीं हो सकी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी।

रेस्क्यू टीम ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और किशोर की तलाश के लिए अभियान शुरू किया। टीम ने नदी के आसपास

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जिले के गरमपानी क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। बेतालघाट ब्लॉक के कलुवाबगड़ रोपा के समीप बुधवार दोपहर दोस्तों के साथ कोसी नदी किनारे गए 17 वर्षीय किशोर दीपक कुमार, पुत्र भुवन चंद्र, का अचानक पैर फिसल गया और वह असंतुलित होकर नदी की तेज धारा में जा गिरा। हादसे के बाद साथ

संभावित स्थानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया।

कोसी नदी का पानी मटमैला होने के कारण रेस्क्यू टीम को तलाशी अभियान में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पानी के भीतर दृश्यता कम होने से अभी तक किशोर का कोई सुराग नहीं मिल सका है। टीम लगातार नदी और आसपास के संभावित स्थानों पर तलाश कर रही है।

बागेश्वर में दर्दनाक हादसा: नदी में गिरने से 7 वर्षीय मासूम की मौत



बागेश्वर। उत्तराखंड के बागेश्वर जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। दुर्ग-नाकुरी तहसील क्षेत्र के भैरूचौबट्टा गांव के तिलाड़ी तोक में स्कूल के घर लौट रही सात वर्षीय मासूम छात्रा की नदी में गिरने से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस-प्रशासन की टीम

ने रेस्क्यू अभियान चलाकर बच्ची का शव बरामद कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भैरूचौबट्टा गांव के तिलाड़ी तोक निवासी 7 वर्षीय गुड्डी पुत्री चंदन कुमार मंगलवार शाम प्राथमिक विद्यालय ककली से छुट्टी के बाद अपने घर लौट रही थी। बताया जा रहा है कि रास्ते में पुंगर नदी पर बनी पुलिया पार करते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह डुफनती नदी में जा गिरी।

सूचना मिलते ही शुरू हुआ रेस्क्यू अभियान

मासूम के नदी में बहने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में हड़कण मच गया। घटना की जानकारी पुलिस प्रशासन को दी गई, जिसके बाद टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बच्ची की तलाश में रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

कड़ी मशक़त के बाद पुलिस टीम ने घटनास्थल से करीब 300 मीटर दूर कालीघाट के पास नदी किनारे से मासूम का शव बरामद किया।

उत्तंरद कार्यकर्ताओं ने रेंज कार्यालय का घेराव किया

पोखरी (चमोली)। वन्यजीवों के बढ़ते हमलों पर अंकुश लगाने और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग के लिए उत्तंरद कार्यकर्ताओं ने केदारनाथ वन प्रभाग के पोखरी रेंज कार्यालय का घेराव किया।

उन्होंने रेंजर कपिल गुसाई को ज्ञापन सौंपकर भालू सहित अन्य हिंसक वन्यजीवों के हमलों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि सिदेली गांव में भालू के हमले में देवराणी-जेठानी की मौत के बाद ग्रामीणों में भय बना हुआ है। उन्होंने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और एक सदस्य को स्थायी रोजगार देने, संवेदनशील गांवों में पिंजड़े लगाने तथा नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की।

संक्षिप्त समाचार ब्रह्मकपाल में 60 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने कराया पिंडदान



बदरीनाथ। श्राद्धपक्ष में पितरों की आत्मशांति और मोक्ष की कामना को लेकर बदरीनाथ धाम स्थित ब्रह्मकपाल में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। श्राद्धपक्ष शुरू होने के बाद से अब तक 60 हजार से अधिक श्रद्धालु यहां पिंडदान और तर्पण करा चुके हैं। श्राद्धपक्ष समाप्त होने तक यह संख्या एक लाख तक पहुंचने का अनुमान है। श्राद्धपक्ष में श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। भारत के अलावा नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। ब्रह्मकपाल के तीर्थ पुरोहित संजय हटवाल ने बताया कि श्राद्धपक्ष शुरू होने के बाद से अब तक 60 हजार से अधिक श्रद्धालु पिंडदान और तर्पण करा चुके हैं। इस वर्ष पिछले दिनों की अपेक्षा श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक है। श्राद्धपक्ष समाप्त होने तक यह आंकड़ा एक लाख तक पहुंचने की उम्मीद है।

निजी अस्पताल सील करने पहुंची टीम का विरोध

गर्सेण। बुधवार को ग्वाड़ तख़ा स्थित एक निजी अस्पताल को सील करने पहुंची प्रशासनिक टीम को ग्रामीणों के भारी विरोध के बाद लौटना पड़ा। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने गड़वाल आयुक्त के 14 अक्टूबर तक प्रभावी स्थान आदेश का पत्र अस्तुत किया। एक निजी अस्पताल प्राधिकरण के मानकों के विपरीत आवासीय भवन में संचालित हो रहा था। ऐसे में क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण के आदेश पर बुधवार को तहसील प्रशासन पुलिस बल के साथ कार्रवाई करने पहुंचा। सीलिंग की कार्रवाई के दौरान युकेडी प्रदेश युवा अध्यक्ष आशीष नेगी और करीब 150 ग्रामीण अस्पताल के समर्थन में उतर आए। उन्होंने अधिकारियों को अंदर जाने से रोका। स्थूल गांव के गम्बर बिट ने कहा कि चौथाण पट्टी के कई गांवों के लोग इसी अस्पताल में उपचार करते हैं। अस्पताल नजदीक होने से मरीजों को तुरंत मदद मिलती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अस्पताल बंद होने से गरीब व ग्रामीण परिवारों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। तहसीलदार हरीशचंद्र पांडे ने कहा कि अस्पताल के लिए व्यावसायिक भवन आवश्यक है जबकि यह आवासीय भवन में चल रहा था। अस्पताल को 22 सितंबर 2026 के आदेश के तहत सात अक्टूबर को सील किया जाना था। अब विधिक राय लेने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा। वहीं अस्पताल प्रबंधक डॉ. मुदित ने बताया कि यह भवन वर्ष 1997 में बना है।

भैतलाखाल—गैरी ब्राह्मणों सड़क को डामरीकरण का इंतजार

नई टिहरी। प्रतापनगर के भैतलाखाल—गैरी ब्राह्मणों की गांव के लिए सड़क बने एक दशक से अधिक समय हो चुका है लेकिन सड़क का डामरीकरण नहीं हो पाया है। सड़क पर बने गड्ढे ग्रामीणों को आवाजही में दिकतों का सामना करना पड़ता है। वर्ष 2016-2017 में भैतलाखाल—गैरी ब्राह्मणों के लिए लोक निर्माण विभाग ने करीब 3 किलोमीटर सड़क का निर्माण कवाया था। लेकिन 10 वर्ष बात जाने के बाद सड़क का डामरीकरण और सुधारीकरण कार्य नहीं हो पाया है। गांव के पूर्व ग्राम प्रधान द्वारिका प्रसाद गैरौला, गुरु प्रसाद गैरौला आदि का कहना कि ग्रामीण लंबे समय से सड़क के डामरीकरण और सुधारीकरण की मांग कर रहे हैं।

फर्जी स्वतंत्रता सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र से एमबीबीएस में दाखिला, प्रवेश निरस्त

देहरादून। एचएनबी उत्तराखंड मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस दाखिलों से जुड़े फर्जीबाड़े के मामले में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। फर्जी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र के आधार पर एमबीबीएस में दाखिला लेने वाले एक छात्र का प्रवेश निरस्त कर दिया गया है। यह का-रंवाई जिलाधिकारी देहरादून की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। मामला एक छात्र से जुड़ा है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र के आधार पर हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सीट हासिल की थी। जांच के दौरान प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए जाने पर डीएम देहरादून की रिपोर्ट के आधार पर मेडिकल यूनिवर्सिटी ने छात्र का दाखिला रद्द कर दिया।

कांवली रोड के पते पर बनाया प्रमाण पत्र मामले में जांच के दौरान यह बात सामने



आई कि छात्र ने देहरादून के कांवली रोड स्थित पते को आधार बनाकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र तैयार करवाया था। जांच में छात्र के बागपत, उत्तर प्रदेश का निवासी होने की बात भी सामने आई है। मामले में वसंत विहार थाने में

पटवारी की ओर से मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। एसआईटी इस प्रकरण की जांच कर रही है। जांच में अब तक छात्र के बागपत का निवासी होने की पुष्टि होने की बात सामने आई है। प्रमाण पत्र में दर्शाए गए पते और वास्तविक निवास को लेकर भी विस्तृत जांच जारी है। मामले में गिरफ्तारी की कार्रवाई भी संभावित बताई गई है।

778 प्रमाण पत्रों की जांच के दायरे में

एमबीबीएस दाखिलों में सामने आए इन मामलों के बाद एचएनबी मेडिकल यूनिवर्सिटी ने स्वतंत्रता सेनानी आश्रित कोटे से जुड़े 778 प्रमाण पत्रों की जांच के लिए संबंधित जिलों को पत्र भेजे हैं। विभिन्न जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर अब तक 20 संदिग्ध मामलों की जानकारी सामने आ

चुकी है। इनमें चार मामले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कोटे से जुड़े बताए गए हैं।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. विजय जुयाल के अनुसार, एमबीबीएस दाखिलों से जुड़े 778 प्रमाण पत्रों की जांच के लिए संबंधित जिलों को भेजे गए हैं। जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है और प्रमाण पत्रों की जांच की प्रक्रिया अभी जारी है।

370 संदिग्ध दाखिलों की उच्चस्तरीय जांच की मांग

दूसरी ओर एमबीबीएस दाखिलों में सामने आए 370 संदिग्ध मामलों की उच्चस्तरीय जांच की मांग भी तेज हो गई है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप बहुगुणा और कुछ अभिभावकों ने पत्रकार वार्ता कर हाईकोर्ट के जज की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर जांच कराने की मांग की है।

नशे में नर्सिंग अधिकारी से अभद्रता, स्टाफ ने किया प्रदर्शन

गोपेश्वर। जिला अस्पताल में शराब के नशे में तीन युवकों की ओर से महिला नर्सिंग अधिकारी से अभद्रता करने के मामले में बुधवार को नर्सिंग स्टाफ ने सांकेतिक प्रदर्शन कर विरोध जताया। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी, उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई और अस्पताल में 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। मांगों पर जल्द कार्रवाई न होने पर नर्सिंग स्टाफ ने कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी।

नर्सिंग अधिकारियों के अनुसार चार अक्टूबर की शाम करीब साढ़े सात बजे तीन युवक शराब के नशे में वार्ड में पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने महिला नर्सिंग अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार किया और गलत तरीके से छूने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि घटना के बाद नर्सिंग स्टाफ में असुरक्षा की भावना है। अस्पताल में इस तरह की घटनाएं आगे दिन होती रहती हैं और रात के समय नशे की हालत में अनावश्यक लोग अस्पताल परिसर में घूमते रहते हैं। नर्सिंग स्टाफ ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन देकर



प्रत्येक वार्ड में 24 घंटे पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था रखें, अनधिकृत वीडियोग्राफी पर रोक लगाने, वार्डों में अनावश्यक भीड़ और तीमारदारों के हस्तक्षेप को नियंत्रित करने तथा नर्सिंग अधिकारियों से अभद्रता या दुर्व्यवहार की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चार

अक्टूबर की घटना में शामिल युवकों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग भी उठाई। वहीं जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अनुराग धनिक ने बताया कि स्टाफ के साथ बैठक कर घटना की जानकारी ली जाएगी। रात में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और अतिरिक्त चौकीदार की व्यवस्था के लिए जिलाधिकारी

को पत्र भेजा जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में नर्सिंग यूनिन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार, प्रेमा कुमारी, दीपा शाह, एलवीना मैथ्यू, विमला मैसी, गौतम कुमार, सुगंधा, प्रतिमा खिलड़ा, महेंद्र, विजय लक्ष्मी, बबिता गिरी, गंगोत्री, पूनम पंखोली, सविता चौहान आदि शामिल रहे।



जवान के मलबे में दबे होने की आशंका के चलते शुरुआत में हाथों से मलबा हटाकर तलाश की गई। जब इससे सफलता नहीं मिली तो मौके पर जेसीबी मशीन बुलाई गई। इस बीच एसडीआरएफ की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच

1980 के दशक में बनी बताई जा रही है इमारत अमृत लॉ कॉलेज एक निजी लॉ कॉलेज है और पिरान कलियर मेले के महेनजर पीएसी की प्लाटून को परिसर में ठहराया गया था।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

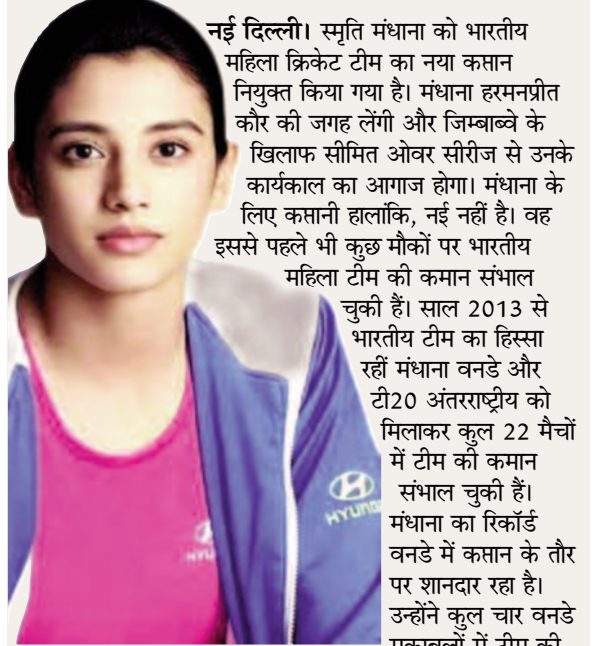
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

मंधाना के लिए नई नहीं है कप्तानी: पहले भी संभाली है महिला टीम की कमान



नई दिल्ली। स्मृति मंधाना को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। मंधाना हरमनप्रीत कौर की जगह लेंगी और जिम्बाब्वे के खिलाफ सीमित ओवर सीरीज से उनके कार्यकाल का आगाज होगा। मंधाना के लिए कप्तानी हालाँकि, नई नहीं है। वह इससे पहले भी कुछ मौकों पर भारतीय महिला टीम की कमान संभाल चुकी हैं। साल 2013 से भारतीय टीम का हिस्सा रहें मंधाना वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय को मिलाकर कुल 22 मैचों में टीम की कमान संभाल चुकी हैं। मंधाना का रिकॉर्ड वनडे में कप्तान के तौर पर शानदार रहा है। उन्होंने कुल चार वनडे मुकाबलों में टीम की कप्तानी की है और सभी में जीत दिलाई है। वहीं, टी20 में भी मंधाना का रिकॉर्ड दमदार रहा है। उन्होंने कुल 18 मैचों में टीम की अगुआई की है, जिसमें से 11 मुकाबलों में टीम को जीत मिली है, जबकि सिर्फ छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

डब्ल्यूपीएल में दो बार जीत चुकी हैं खिताब

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी स्मृति मंधाना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को दो बार अपनी कप्तानी में चैंपियन बना चुकी हैं। उन्होंने 35 मैचों में आरसीबी की कमान संभाली है, जिसमें से टीम को 18 में जीत नसीब हुई है, तो 17 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। यानी मंधाना के पास कप्तानी का अच्छा खास अनुभव मौजूद है। खास बात यह है कि स्मृति लंबे समय से हरमनप्रीत कौर के कप्तान रहने पर उपकप्तान की जिम्मेदारी को संभाल रही थीं।

जिम्बाब्वे सीरीज से शुरू होगा कार्यकाल

स्मृति मंधाना बतौर कप्तान अपने कार्यकाल का आगाज जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज से करेंगी। इस सीरीज के लिए चुनी गई टीम में हरमनप्रीत कौर को भी जगह दी गई है। बतौर कप्तान हरमनप्रीत का अनुभव भी मंधाना के काम आएगा। हरमनप्रीत की उम्र 37 साल हो चुकी है और यही वजह है कि चयनकर्ता उनके रिटायरमेंट लेने से पहले मंधाना को कप्तान के तौर पर पूरी तरह से तैयार करना चाहते हैं।

सीनियर चयन समिति की बैठक में शामिल रहेंगे लक्ष्मण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भविष्य में सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में शामिल होंगे। वह गुवाहाटी में टी20 अंतरराष्ट्रीय और भारत ए टीम के चयन के लिए हुई बैठक में भी मौजूद थे। लक्ष्मण और अब पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच संवाद की स्पष्ट कमी रही थी। माना जाता है कि चोटिल खिलाड़ियों के बारे में सीआईई की ओर से समयसीमा की जानकारी नहीं मिलने के कारण कई बार अप्रिय स्थिति पैदा हुई।



अर्जेंटीना की जर्सी में आखिरी बार मैदान पर उतरे मेसी, फैंस को दिया धन्यवाद, बोले- काश... मैं पूरी जिंदगी अर्जेंटीना के लिए खेल पाता



अगरकर की विदाई बनी भुवी की वापसी का कारण

IPL में प्रदर्शन और चयन समीकरण की कहानी, शमी के लिए भी खुले दरवाजे!

मुंबई। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर भुवनेश्वर कुमार के नाम की चर्चा है। करीब चार साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद 36 वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज की भारतीय टी20 टीम में वापसी हो गई है। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इस महीने होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। भुवनेश्वर की वापसी ऐसे समय हुई है, जब अजीत अगरकर चयन समिति के अध्यक्ष पद से हट चुके हैं और प्रज्ञान ओझा अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। माना जा रहा है कि अगरकर की मौजूदगी में भविष्य की ओर देखने की रणनीति के कारण भुवनेश्वर के लिए वापसी का रास्ता आसान नहीं था। भुवनेश्वर ने 2025 और 2026 के आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इन दो सत्रों में उन्होंने कुल 45 विकेट लिए और टीम की लगातार दो आईपीएल खिताबी जीत में

अहम भूमिका निभाई। 2025 में उन्होंने 17 विकेट हासिल किए, जबकि 2026 के सत्र में उनके खाते में 28 विकेट रहे। नई गेंद से स्विंग और सीम कराने की उनकी क्षमता ने एक बार फिर उन्हें चर्चा में ला दिया। पावरप्ले में उनकी गेंदबाजी ने कई शीर्ष बल्लेबाजों को परेशान किया। भुवनेश्वर को 2022 में भारतीय टीम से बाहर किए जाने के पीछे उनकी गति में कमी और गेंद को स्विंग कराने की क्षमता का कम होना बड़ी वजह माना गया था। उस दौर में टी20 क्रिकेट में युवा और तेज गेंदबाजों का दबदबा बढ़ रहा था। लेकिन भुवनेश्वर ने हार नहीं मानी। उन्होंने बिना किसी सार्वजनिक बयान या विवाद के अपनी गेंदबाजी पर काम जारी रखा। उत्तर प्रदेश के लिए स्पेफेद गेंद के क्रिकेट में खेलते रहे और युवा गेंदबाजों के लिए भी मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। इसके बाद आईपीएल में उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि उनकी सबसे बड़ी ताकत आज भी गेंद को हवा में स्विंग कराने और सीम मूवमेंट हासिल करने की कला है।

पूर्व भारतीय कप्तान बोले- संजू सैमसन और भी ज्यादा मौके मिलने के हकदार खिलाड़ियों में असुरक्षा पैदा हो रही: गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक लगाया। अय्यर ने मात्र 42 गेंदों पर शतक लगाया। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की है। गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा, 'श्रेयस अय्यर की यह शानदार पारी थी। वह अजेय लग रहे थे, और वेस्टइंडीज के गेंदबाज चाहे किसी भी लाइन और लेंथ पर गेंद फेंकें, अय्यर के पास हर चीज का जवाब था। उन्होंने जो शॉट खेले, वे देखने लायक थे, खासकर रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर अपर-कट, जिससे पता चला कि वह गंभीर थे। इस भारतीय टी20 टीम के कप्तान बनने के बाद से श्रेयस अय्यर का बल्ले से प्रदर्शन थोड़ा खराब रहा है। हाल के दिनों में, जीत मिली है, लेकिन बल्ले से उनका अपना फॉर्म विला का विषय था।

उन्होंने कहा, 'उनके लिए एक बड़ी पारी खेलना जरूरी था, और उन्होंने पहले टी20 में अच्छा किया। अय्यर ने रन चेज पर पूरा नियंत्रण रखा और बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाते रहे। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए और फिर पूरी तरह से गियर बदल दिया, सिर्फ 15 गेंदों के अंदर अगले 50 रन बनाकर 102 तक पहुंच गए। सोशल मीडिया पर श्रेयस की बैटिंग फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे थे। इस शतक ने उन सभी को चुप करा दिया है। यह पारी इस बात का पक्का संकेत है कि श्रेयस अय्यर अपने बेस्ट फॉर्म में वापस आ गए हैं।'

एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए

हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ लगाए थे दो अर्धशतक

पूर्व भारतीय कप्तान ने विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर भी अपनी राय रखते हुए कहा, 'एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हाल ही में इसी रोल में अफगानिस्तान के खिलाफ दो अर्धशतक लगाए थे। फिर एशियन गेम्स में उनका बुरा प्रदर्शन रहा, लेकिन वह वहां तीसरे नंबर पर बैटिंग कर रहे थे, इसलिए मैं सच में उन्हें दोष नहीं दूंगा। अब, वह वापस ओपनिंग करने आए हैं, और पहले टी20 में 11 रन बनाकर आउट हो गए। यह काफी नहीं है कि मैं संजू की जगह वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल करूं।' गावस्कर ने कहा, 'आपको एक खिलाड़ी को पूरा मौका देना चाहिए, खासकर उसे जो अभी-अभी उस रोल में वापस आया हो जिसमें वह सहज हो। एक कम स्कोर से कुछ नहीं बदलता। संजू ने दिखाया है कि वह टॉप ऑर्डर में बया कर सकते हैं और वह लंबे समय तक खेलने के हकदार हैं।' वैभव एक स्पेशल टैलेंट हैं, और उनका समय आया, लेकिन अभी के लिए, संजू वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में ओपनिंग करने के लिए सही आदमी हैं। आप हर गेम के बाद लगातार बदलाव नहीं कर सकते। इससे ड्रेसिंग रूम में असुरक्षा पैदा होती है।



श्रेयस अय्यर ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

लखनऊ। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में 102 रन की नाबाद पारी खेली। 43 गेंदों में अय्यर ने छह छक्कों और 10 चौके लगाए। इस पारी के साथ ही अय्यर ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। श्रेयस की इस दमदार पारी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली।

सर्वोच्च रन बनाने वाले चौथे भारतीय

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीयों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष तीनों पारियां रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 121 रन, श्रीलंका के विरुद्ध 118 रन और वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 111 रन की पारियां खेली हैं। श्रेयस अकेले ऐसे भारतीय कप्तान हैं, जिन्होंने रन चेज करते हुए शतक लगाया।

ईशान के साथ रिकॉर्ड साझेदारी

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए किसी भारतीय कप्तान का पिछला सबसे बड़ा स्कोर 94* रन था, जो विराट कोहली ने 2019 में हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। अय्यर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा (111*) और केएल राहुल (110*) यह कारनामा कर चुके थे। इस पारी के दौरान अय्यर ने ईशान किशन के साथ 137 रन की अटूट साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन चेज के दौरान भारत के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मामले में यशस्वी जायसवाल-शुभमन गिल की जोड़ी शीर्ष पर है, जिसने वेस्टइंडीज के विरुद्ध साल 2023 में 165 रन जुटाए थे। वहीं, जायसवाल ने शुभमन गिल के साथ साल 2024 में जिम्बाब्वे के विरुद्ध 156* रन जोड़े थे। 137* रन की साझेदारी टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए तीसरी विकेट की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी साझेदारी है। इतने रन की साझेदारी ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ की थी।



गिल शीर्ष पर बरकरार श्रेयस सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

दुबई। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की 43 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों से सजी नाबाद 102 रन की पारी ने टी20 विश्व चैंपियन को मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई।

श्रेयस को 18 पायदान का फायदा

इस विस्फोटक पारी से अय्यर को 18 पायदान का फायदा हुआ जिससे वह इस प्रारूप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी के अनुसार ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

कोहली तीसरे स्थान पर खिसके

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड की तेजतर्रार 56 रन की पारी ने उन्हें 10 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि पाकिस्तान के हसन नवाज (62 पायदान के फायदे से 48वें स्थान पर) एशियाई खेलों के बाद सूची में ऊपर बढ़े हैं। एशियाई खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल में अबरार अहमद (29 रन देकर कोई विकेट नहीं और 29 रन देकर एक विकेट) के आंकड़े उन्हें गेंदबाजों में शीर्ष स्थान बरकरार रखने के लिए काफी नहीं थे। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक के बाद केएल राहुल को सात पायदान का फायदा हुआ जिससे वह 10वें स्थान से शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं।

राशिद की शीर्ष स्थान पर वापसी

लेग स्पिनर राशिद खान आठवीं बार शीर्ष पर लौटे हैं। भारत के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल 16 पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में नाबाद 223 रन बनाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। यह वनडे प्रारूप में उनका दूसरा दोहरा शतक था जिसने उन्हें 25 रेटिंग अंक दिलाए और इस प्रदर्शन से उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रेटिंग अंकों की बराबरी की।